दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

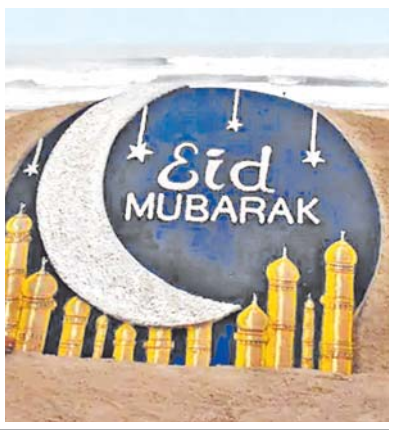

वर्ष 52/ अंक 246/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शनिवार 22 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

परशुराम जन्मोत्सव में गुफा मंदिर से निकली भव्य शोभा यात्रा

सीएम शिवराज हुए शामिल, धर्मसभा में पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री

भोपाल। राजधानी में परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। गुफा मंदिर में इस अवसर पर विशेष आयोजन किया जा रहा है। सुबह दस बजे लालघाटी से गुफा मंदिर तक गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में सीएम शिवराज सिंह चौहान, गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास जी महाराज, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, भोपाल के पूर्व महापौर आलोक शर्मा और महापौर मालती राय समेत बड़ी संख्या में धर्मालु बंधु शामिल हुए।

परशुराम जयंती के मौके पर गुफा मंदिर परिसर में स्थित भगवान परशुराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा की विशेष पूजा-अर्चना की गई। गुफा मंदिर में धर्मसभा का भी आयोजन रखा गया है। इसमें अक्षयोत्सव में बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी शामिल हुए। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज सुबह विमान से भोपाल पहुंचे। दुर्गा मंदिर से गुफा मंदिर परिसर तक शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर महाराज जी का स्वागत किया।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव शनिवार 22 अप्रैल को ब्राह्मण समाज भव्य शोभायात्रा निकालने के साथ ही विशाल भंडारा भी करने जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्मश्री सर्वब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष शलभ गार्गव ने बताया कि शाम 6 बजे से माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा से विशाल वाहन रैली निकलेगी जो जवाहर चौक अटल पथ पर पहुंचेगी। जहां महाआरती के बाद भव्य आतिशबाजी तथा विशाल भंडारा होगा।

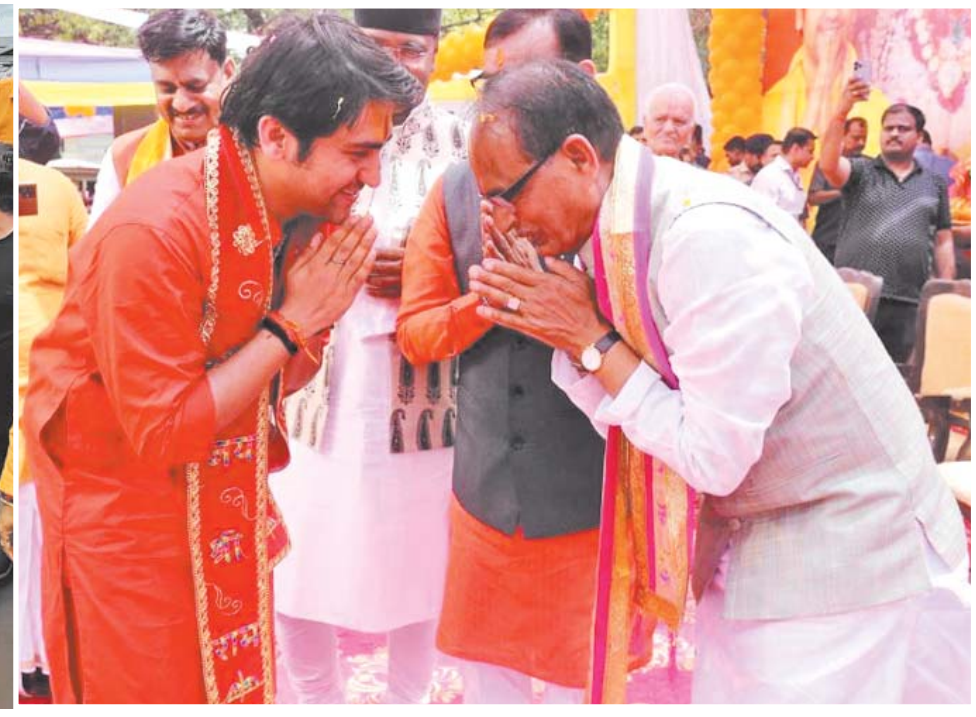

दिल्ली-मुंबई, भोपाल समेत पूरे देश में ईद की इबादत

नई दिल्ली/भोपाल। देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। सुबह मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ी गई। इसके बाद लोग एक-दूसरे को मुबारकबाद दे रहे हैं। शुक्रवार की शाम को ईद का चांद नजर आने के साथ ही 24 मार्च को शुरू हुआ रमजान का महीना पूरा हो गया। रमजान खत्म होने के बाद इस्लामिक कैलेंडर के शव्वाल महीने के पहले दिन ईद मनाई जाती है। इसे ईद-उल-फितर भी कहा जाता है।

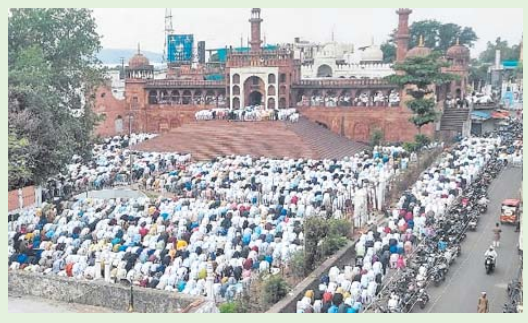

ईद के मौके पर दिल्ली की जामा मस्जिद, भोपाल की ईदगाह और मुंबई की माहिम दरगाह में सुबह से ही लोग नमाज के लिए जमा होने लगे थे। वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के गांधी मैदान में ईद की मुबारकबाद देने पहुंचे। इधर, गुलाम नबी आजाद समेत कई नेताओं ने दिल्ली की पार्लियामेंट्री स्ट्रीट की मस्जिद में ईद की नमाज अदा की। कोलकाता में नमाज के बाद लोगों से मिलने पहुंचीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा- हमें बंगाल में शांति चाहिए। हम दंगे नहीं चाहते। जो लोग देश को तोड़ना चाहते हैं, ईद के मौके पर मैं उनसे कहना चाहती हूं कि मैं अपनी जान देने को तैयार हूं, लेकिन देश को बंटने नहीं दूंगी।

भोपाल में विशेष नमाज के बाद बधाइयों का सिलसिला

राजधानी भोपाल में शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच ईदगाह मस्जिद में ईद के मौके पर विशेष नमाज अता की गई। शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी ने शुक्रवार शाम को चांद दिखने के बाद अगले दिन यानी आज ईद मनाने का ऐलान किया था। शनिवार सुबह सात बजे ईदगाह पर ईद की विशेष नमाज अदा की गई। यहां पर बड़ी संख्या में सुबह से मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे और नमाज अता करने के साथ एक-दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं। जामा मस्जिद में सुबह 7.15 बजे, ताजुल मसाजिद में सुबह 7.30 बजे और मोती मस्जिद में सुबह 7.45 बजे ईद की नमाज अता की गई। इसके बाद शहर की अन्य मस्जिदों में नमाज अदा करने का सिलसिला चलता रहा। नमाज अता करने के बाद लोग एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां दे रहे हैं। घरों पर आने वाले मेहमानों को मुस्लिम समाज के लोग सिवइयों से मुंह मीठा करा रहे है। घर आए मेहमानों को और बच्चों को ईदी बांटी जा रही है।

पीएम मोदी ने दी ईद की मुबारकबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईद के मौके पर सभी को मुबारकबाद दी। उन्होंने ट्वीट किया कि समाज में सौहार्द और प्रेम की भावना बढ़ती रहे। मैं सभी के स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करता हूं। ईद मुबारक!

सौभाग्यशाली लोग ही सेना में जाते है: सिद्ध भाऊ

भारतीय सेना में रोज़गार के अवसर' विषय पर अभिप्रेरणा सेमीनार आयोजित

संत हिरदाराम नगर। ब्रहम्लीन संत हिरदाराम साहिबजी की असीम अनुकंपा एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के आशीर्वाद से शहीद हेमू कालाणी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संत हिरदाराम नगर क्षेत्र में संचालित विभिन्नि स्कूलों के विद्यार्थियों को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों एवं अन्य सुरक्षा बलों में उपलब्ध रोज़गार के अवसरों एवं इस हेतु आवश्यक प्रक्रिया की पर्याप्त जानकारी उपलब्द्ध करवाने और उन्हें सेना में भर्ती होने हेतु अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष एक अभिप्रेरणा सेमीनार का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में दिनांक 21-04-2023 को विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत 10वीं से 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों हेतु अभिप्रेरणा सेमीनार का आयोजन राम साहिबजी के परम शिष्य एवं संस्था के प्रेरणास्त्रोत परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी की पावन उपस्थिति में संत हिरदाराम ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता कर्नल नारायण पारवानी एवं विशिष्ट अतिथि बोरवन क्लब, ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी थे। सेमीनार में मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, नवनिध स्कूल, मुकीता इंटरनेशनल स्कूल, ए.टी. शहानी स्कूल, के.टी. शहानी पब्लिक स्कूल एवं दीपमाला पगाराणी संस्कार स्कूल तथा संत हिरदाराम गल्स कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सोसायटी के सचिव ए.सी.साधवानी ने अपने स्वागत भाषण के दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता तथा विशिष्ट अतिथि का संक्षिप्त परिचय देते हुए इस सेमीनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं कहा कि छात्र देश सेवा के लिए आगे आएं और अपने अध्ययन के प्रति गंभीर रहकर राष्ट्र की निधि बने इस हेतु प्रतिवर्ष सोसायटी द्वारा इस प्रकार का सेमीनार आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि परमहंस संतजी व श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने इस उपनगर में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कार्य किया है। सभी स्कूलों एवं कालेजों में संस्कारों के साथ गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। अभी हाल ही में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई मेरिट लिस्ट में संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज की 16 छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया है, इनमें से तीन को तो गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। विशिष्ट अतिथि जगदीश आसवानी ने अपने उदबोधन में कहा कि शहीद हेमू कालाणी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्र रक्षा के कार्यों में आगे आने के प्रेरणा देने वाले इस प्रकार के आयोजन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। इससे युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलेगी और इस राह में आगे बढ़ने हेतु उनको मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मुझे समाज सेवा करने की प्रेरणा श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी से मिली है।

श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने आशीष वचन में कहा कि आज का युवा अपने खान पान और स्वस्थ रहने की दशा में उचित मार्गदर्शन प्राप्त न होने के कारण अपने मार्ग से भटक गया है, जिसके कारण वह परिश्रम से दूर भागता है। बिना मेहनत और परिश्रम के व्यक्ति बीमार पड़ जाता है, जबकि एक स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क वाला व्यक्ति ही देश और समाज के लिए सकारात्मक कार्य कर सकता है। राष्ट्र प्रेम प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं प्रथम कर्तव्य है, जिसकी पूर्णता हम सभी का उत्तर-दायित्व है। भारतीय सेना राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी है जिसके मजबूत कन्धों पर ही राष्ट्र की आधारशिला टिकी है। सैनिक बनना अपने आप में अत्यंत गर्व और देशभक्ति का परिचायक है। इसी कारण सैनिक की वर्दी को जो सम्मान प्रत्येक क्षेत्र में प्राप्त होता है वैसा सम्मान किसी और क्षेत्र में प्राप्त नहीं होता।

सच में सौभाग्यशाली व्यक्ति ही देश सेवा हेतु सेना में जा पाते हैं। देश भक्ति ईश्वर भक्ति भी है। इस मूलभावना को बच्चों में विद्यार्थी जीवन से ही निरूपित किया जाना चाहिए। ताकि देश सेवा के प्रति उनकी संकल्प शक्ति दृढ़ हो सके। कार्यक्रम में सोसायटी के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सदस्य भगवान दामानी, थांवरदास वरलानी, राजकुमार मूलचंदानी, डायरेक्टर (एकेडिम्क्स) गोपाल गिरधानी, प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबाणी, नवयुवक सभा के सचिव सुरेश रजपाल, दीपमाला पगारानी संस्कार सकूल क महासचिवबसंत चेलानी समस्त आमंत्रित स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर जम्मु कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में 20 अप्रैल को शहीद हुए सेना के 5 जवानों को दो मिनट मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं नेशनल कॉन्क्लेव में हुई सम्मिलित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की दो प्राध्यापिकाएं डॉ. नेहा रघुवंशी एवं प्रोफेसर निकिता देवस्थली सिसटेक एमबीए द्वारा आयोजित एक दिवसीय नेशनल कॉन्क्लेव सागर पोडसकॉर्ब 2023 में सम्मिलित हुई। इस कॉन्क्लेव का विषय मैनेजिंग इनोवेटिव एंड सस्टेनेबल बिजनेसेस एट 2030 एन इंडियन पर्सपेक्टिव था। इसका मुख्य उद्देश्य सभी को विषय संबंधी जानकारी प्रदान कर आवश्यक कौशल विकास हेतु जागरूकता लाना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन में प्राध्यापिकाओं का सम्मिलित होना छात्रहित में आवश्यक है। इससे छात्राओं को वर्तमान परिदृश्य में उपलब्ध अवसरों एवं चुनौतियों से अवगत कराया जा सकता है। इस कान्क्लेव में उपस्थित वक्ताओं ने सभी को उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

बोरवन पार्क में युवाओं को मिल सकेगा सेना में जाने के लिए अभ्यास करने का मौका

संत हिरदाराम नगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क के संरक्षक हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा के निर्देश पर क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी व सभी सदस्यों के द्वारा सुबह पार्क में आने वाले नागरिको के लिए शारीरिक व्यायाम को ध्यान में रखकर खासतौर पर पार्क में युवा बच्चे जो सेना में जाकर देश की सेवा करने का लक्ष्य रखते है उनके लिए,रनिंग रुट 0 से 600 मीटर व रूट नम्बर 2 को 1600 मीटर एवं रूट नम्बर 3 को 800 मीटर बनाया गया है। मंकी रोप, वर्टिकल रोप, चिनअप बार, लांग हाई जम्प, पिट आदि सभी रूट्स पर हर 100 मीटर पर मार्किंग स्टोन लगाए गए है और रोप तैयार किए गए हैं। जिसका सभी आने वाले बच्चे लाभ ले सकेंगे। बोरवन पार्क के अध्यक्ष समाजसेवी जगदीश आसवानी ने बताया कि संत हिरदाराम नगर के बोरवन पार्क मे सेना, अर्धसैनिक बलों तथा पुलिस मे भर्ती होने के इच्छुक विधार्थियों के लिए और व्यायाम, दौड़ तथा वाल्क मे रूचि लेने वाले सभी आमजनों हेतु कई सुविधाओं का पिछले कुछ दिनों मे निर्माण हुआ है। इससे काफी सुविधा मिलेगी।

विधायक कृष्णा गौर ने रखी शिव मंदिर की आधारशिला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मिसरोद स्थित शीतल हाइट्स पर आज क्षेत्रीय विधायक कृष्णा गौर द्वारा शिव मंदिर की आधारशिला रखी गई शीतल समूह द्वारा अपने सभी प्रोजेक्ट में मंदिर का निर्माण किया जाता है शीतल समूह के मनोज प्रधान ने बताया कि लोगों में आध्यात्मिक जागृति बनी रहे इसलिए शीतल समूह अपने सभी प्रोजेक्ट में मंदिर निर्माण करता है शिव मंदिर की आधारशिला के अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य शीला पाटीदार, मुकेश वर्मा, अनिल जैन सहित सभी कॉलोनी वासी एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

भोपाल। क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन कोलार रोड का सम्मान समारोह 23 अप्रैल को राजहर्ष कालोनी स्थित एकता पार्क में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा एवं रविन्द्र यति उपस्थित रहेंगे। शनिवार को एमआईसी सदस्य एवं वार्ड 83 के पार्षद रविन्द्र यति ने कायक्रम स्थल का निरीक्षण किया एवं यहां पर सफाई एवं बिजली व्यवस्था बनाने के निर्देश नगर निगम कर्मियों को दिए। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष भोजराज मगरदे एवं सचिव राजू पाटनकर सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

कर्मचारी चयन मण्डल को सभी परीक्षाओं में एक बार देना होगा परीक्षा शुल्क

भोपाल। अब मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल के द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं में उम्मीदवार से एक बार ही परीक्षा शुल्क लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उम्मीदवार को पहली परीक्षा में पंजीकरण करने के समय निर्धारित परीक्षा और पोर्टल शुल्क देने की आवश्यकता होगी। इसके बाद, वह किसी भी अन्य परीक्षा में आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क नहीं देने के लिए योग्य होगा। उम्मीदवार को अपने प्रोफाइल के माध्यम से परीक्षा और पोर्टल शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, आवेदकों को एमपी आनलाईन के द्वारा निर्धारित पोर्टल शुल्क देना होगा।

इस्लामिया ग्राउंड पुतलीघर में ईद पर लगा मेला

भोपाल। इस्लामिया ग्राउंड पुतलीघर पर ईद के अवसर पर मेले का आयोजन किया जा रहा है यह मेला 22 अप्रैल से 1 मई के लिए रहेगा इस मेले में तरह-तरह के झूले लगाए गए हैं झूला संचालक आमिर सिद्दीकी ने बताया कि उनकी वैसे तो है पूरे भोपाल में झूले लगाते हैं लेकिन पुराने शहर में लोगों को आने जाने की असुविधा ना हो इसलिए यहां पर झूलो की व्यवस्था की गई है इसमें ड्रैगन ब्रेक डांस ट्रेन आदि झूले हैं इसके साथ ही हैं करीब 50 से अधिक स्टाल लगाए गए जिन पर खाने-पीने एवं आइटम उपलब्ध है

70 वर्षों से सेवइयां का स्वाद मिल रहा असवा एग्रो फूड्स से

भोपाल। ईद के अवसर पर राजधानी भोपाल में सेवइयां निर्माण करने वाली अथवा एग्रो फूड्स ना सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश मैं सेवइयां का स्वाद उपलब्ध करा रही है अश्व एग्रोफूड्स के युवा संचालक मोहम्मद अफफान ने बताया कि उनके द्वारा देश के अलावा विदेश में भी 7 देशों के लिए सेवाओं का निर्यात किया जाएगा मोहम्मद अफफान ने बताया कि 70 वर्षों पहले 1954 में उनके परदादा द्वारा इस यूनिट की शुरुआत की गई थी जिसे बाद में उनके वालिद और अब वह स्वयं इसका संचालन कर रहे हैं अश्व एग्रोफूड्स के तीन ब्रांड लाजवाब पेप्सी और मिलनसार लोगों द्वारा बहुत पसंद किए जाते हैं उसे सेवइयां की खासियत यह है कि इसमें किसी तरह का कलर उपयोग में नहीं लाया जाता है बल्कि इन्हें भट्टी में पकाया जाता है जो स्वादिष्ट तो है साथ में इनका स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा रहता है इंजीनियर शिक्षा प्राप्त मोहम्मद अफफान पुश्तैनी कारोबार को अपनाने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है।

विशेषज्ञों ने कहा,भारत में बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए वयस्कों के टीकाकरण को देना होगा बढ़ावा

भोपाल। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हेल्दीएजिंग को परिभाषित करते हुए कहा है कि 'इस तरह की फंक्शनलएबिलिटी को डेवलप और मैंटेन करना, जिससे बड़ी उम्र में भी बेहतर जीवन सुनिश्चित हो सके।' डब्ल्यूएचओ ने अपनी 'डेकेड ऑफ हेल्दीएजिंग- बेसलाइन रिपोर्ट-2020' में हेल्दीएजिंग के लिए वयस्कों के टीकाकरण को महत्वपूर्ण रणनीतियों में शुमार किया है।

भोपाल स्थित निदान मेडिकेयर के इंटर्नल मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. राजीव मदान ने कहा हम सभी लंबी उम्र जीना चाहते हैं और बुढ़ापे में भी स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं, हालांकि हमारे शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली 50 साल की उम्र के बाद से कमजोर होने लगती है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, शिंगल्स, इन्फ्लूएंजा और न्यूमोनिया से जैसे संक्रमणों की चपेट में आने का खतरा बढ़ता जाता है। इन संक्रमणों से हमारी दैनिक गतिविधियों पर दुष्प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, हर महीने मेरे पास 50 साल या इससे ज्यादा उम्र के 20-25 शिंगल्स के मरीज आते हैं। वे शिंगल्स के कारण होने वाले बेतहाशा दर्द और इससे उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताते हैं। इसीलिए बुजुर्गों को इस तरह के संक्रमणों से अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत होती है, जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मदद मिले। टीकाकरण उन्हें यह सुरक्षा दे सकता है और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकता है।

भारतीय आबादी की उम्र तेजी से बढ़ रही है। 2020 में 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या 26 करोड़ थी, जो 2036 तक 40.4 करोड़ पर पहुंच जाने का अनुमान है जो उस समय की कुल अनुमानित जनसंख्या के 27 प्रतिशत के बराबर होगी। बढ़ती उम्र के साथ शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर होती है, जिससे बड़ी उम्र के लोगों में न्यूमोनिया, इन्फ्लूएंजा और शिंगल्स जैसे संक्रमणों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है।

नादिर कॉलोनी में बोहरा समाज ने मनाई ईद

भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित नादिर कॉलोनी पर दाऊदी बोहरा समाज द्वारा बड़े हर्षोल्लास से ईद मनाई गई। नादिर कॉलोनी रेजिडेंट्स एसोसिएशन की सचिव नईमां हुसैन ने बताया कि 30 रोजै पूरे होने पर बोहरा समाज द्वारा बड़े हर्षोल्लास से ईद मनाई गई कॉलोनी में सभी लोग ईद के त्यौहार में सम्मिलित होते हैं सैफिया कॉलेज एजुकेशनल सोसायटी के सदस्य रियाज हुसैन ने ईद के अवसर पर सभी भोपाल वासियों एवं प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी

भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलना होगा: शर्मा

भोपाल। भगवान परशुराम का प्रकट उत्सव अक्षय तृतीया के दिन 22 अप्रैल को भोपाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है मंदिर श्री कमाली ट्रस्ट समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं भारत ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष बृजेश शर्मा ने भगवान परशुराम के प्रकट उत्सव पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलते हुए हमें सनातन धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहना है भोपाल के लालघाटी गुफा मंदिर पर 22 अप्रैल को बागेश्वर धाम के महंत आचार्य धीरेंद्र शास्त्री की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सभी ब्राह्मण बंधु आमंत्रित हैं बृजेश शर्मा ने कहा कि आगामी 4 जून को राजधानी भोपाल में ब्राह्मण महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है इसमें सभी ब्राह्मण बंधुओं सम्मिलित हों एवं अस्मिता के लिए इसमें उपस्थित हो।

नेशनल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राओं रही अव्वल

संत हिरदाराम नगर। संत सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन से संचालित संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राओं ने नेशनल बिजनेस प्लान कॉम्पटीशन में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च देवास द्वारा आयोजित नेशनल बिजनेस प्लान कॉम्पटीशन में विभिन्न प्रबंध संस्थानों से प्रतिभागी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राओं ने अपने बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया एवं निर्णायकों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विस्तृत रूप से उत्तर दिया। एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं वेदिका अग्रवाल, शिवांगी गर्ग, कृतिका विश्नोई एवं संस्कृति पाठक की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इनके बिजनेस प्लान मेडी फूड को निर्णायक मंडल एवं आयोजकों ने सराहा एवं शुभकामनाएं दी। द्वितीय पुरस्कार एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं महक गोलानी, इशिका पंजवानी, हर्षिता आडवाणी, टीना गिरोटिया एवं प्रियंका लालवानी को दिया गया। इनके बिजनेस प्लान बचपन से पचपन की प्रतिभागियों एवं निर्णायकों ने प्रशंसा की। इसके अलावा सागर इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में भी संस्थान की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने बताया कि संस्थान की छात्राओं की लगन एवं मेहनत को जब शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता है, तो वे चहुं ओर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करती हैं।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा की उपस्थिति में बहुपक्षीय एमओयू हुआ हस्ताक्षरित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों में उद्यमी विश्वास एवं कौशल विकसित करने के उददेश्य से तैयार किये गये तेजस्वी कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए बहुपक्षीय एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। सह समझौता पत्र आयुक्त लोक शिक्षण, राज्य ओपन स्कूल एवं सहयोगी संस्था उदृयम लर्निंग फाउंडेशन और द एजुकेशन एलायंस के बीच हस्ताक्षरित किया गया। सभी पक्षों के मध्य हस्ताक्षर के उपरांत एमओयू की प्रति प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि अरूण शमी को सौपी गई। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी कार्यक्रम के तहत छात्रों को विद्यालयीन समय से ही नवीन उद्योगों और स्व व्यवसाय की जानकारी प्रदान की जायेगी। इसके लिए पृथक पाठ्यक्रम भी विकसित किया गया है। विद्यालयों में इस पाठ्यक्रम के आधार पर सप्ताह में तीन दिन 40-40 मिनिट की विशेष कक्षाएं संचालित की जायेंगी। इसके साथ ही विभिन्न नवाचारी व्यवसायों पर आधारित अनुभव आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रोजेक्ट कार्य भी संचालित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिस दृष्टिकोण के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की कल्पना की है और स्वावलंबी तथा कर्मठ युवा समाज की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश युवा नीति घोषित की है, उसी तारतम्य में हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्कूली विद्यार्थियों में व्यवसायिक दक्षताओं एवं जीवन कौशल विकसित करने के लिए दृढ संकल्पित है।

परशुराम जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा की झलकियां

अब सड़क की चौड़ाई, परिसर, गुमटी और वाहन के आधार पर चुकाना होगा शुल्क

ट्रेड लाइसेंस फीस 2023 का नया प्रावधान, दो साल में पांच प्रतिशत की होगी बढ़ोतरी

भोपाल। यदि आप मध्यप्रदेश के किसी भी नगर निगम सीमा क्षेत्र में 15 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क किनारे 10 फीट की दुकान में व्यापार करते हैं तो अब आपको 10 हजार 800 रुपये सालाना चुकाने होंगे। यह शुल्क नगर निगम आपसे ट्रेड लाइसेंस के रूप में वसूल करेगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने ट्रेड लाइसेंस 2023 के लिए नया प्रावधान लागू कर दिया है। अब प्रदेश में नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्र में संबंधित दरों के हिसाब से एक समान व्यापार अनुज्ञप्ति के रूप में राशि चुकानी होगी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभी तक ट्रेड लाइसेंस के लिए निकायों में अलग-अलग तरीके से टैक्स की वसूली की जाती थी। लिहाजा, फीस को एक समान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। पहले व्यापार की अलग-अलग श्रेणियों के लिए अलग-अलग शुल्क की दरों से वसूली की जाती थी। भोपाल नगर निगम में ही ट्रेड लाइसेंस के नाम पर तीन सौ से ज्यादा व्यापार की स्लैब थी। हालांकि भोपाल नगर निगम ने प्रदेश में सबसे पहले सड़कों की चौड़ाई के आधार पर ट्रेड लाइसेंस फीस सिस्टम को अपनाया था। नगरीय प्रशासन ने भोपाल नगर निगम के सिस्टम को आधार बनाकर नया नियम जारी किया है। बता दें कि इसके लिए नगरीय प्रशासन ने चार स्लैब तैयार की हैं।

शुल्क की गणना को ऐसे समझिए

यदि आप नगर निगम सीमा में 15 फीट चौड़ी सड़क किनारे दुकान में व्यापार करते हैं। आपकी दुकान का आकार 10 वर्ग फीट है। नए नियम के हिसाब से छह रुपये प्रति वर्गफीट से ट्रेड लाइसेंस फीस वसूला जाएगा। 12 माह की ट्रेड लाइसेंस फीस के लिए आपको 10 हजार रुपये 800 रुपये हर साल चुकाने होंगे।

चार स्लैब में बांटे गए ट्रेड लाइसेंस का गणित-

1 - सड़क की चौड़ाई के आधार पर (प्रतिवर्ष)

- 7.5 मीटर से कम या 7.5 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे नगर निगम में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 3 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद में 2 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स चुकाना होगा।

- 7.5 और 15 मीटर के बीच चौड़ी सड़क के किनारे नगर निगम में 5 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद में 3 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स चुकाना होगा।

- 15 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर नगर निगम में 6 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 5 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स चुकाना होगा।

परिसर के आधार पर ट्रेड लाइसेंस फीस (प्रतिवर्ष)

- मोहल्ला या कॉलोनी में नगर निगम में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 3 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद 2 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स वसूला जाएगा।

- छोटे या मध्यम आकार के बाजारों में नगर निगम में 5 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद में 3 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स वसूला जाएगा।

- वृहत बाजारों में नगर निगम में 6 रुपये प्रति वर्ग फीट, नगर पालिका में 5 रुपये प्रति वर्ग फीट और नगर परिषद में 4 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टैक्स वसूला जाएगा।

(नोट- सड़कों से चौड़ाई और क्षेत्र आधार पर ट्रेड लाइसेंस शुल्क नगर निगम सीमा में 50 हजार, नगर पालिका सीमा में 25 हजार और नगर परिषद में 15 हजार रुपये प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा।)

3- गुमटी या कच्ची दुकानों के लिए

- गुमटी या कच्ची दुकानों के लिए लाइसेंस फीस नगर निगम सीमा में 250 रुपये, नगर पालिका सीमा क्षेत्र में 150 रुपये और नगर परिषद सीमा में सौ रुपये की दर से हर साल वसूली जाएगी।

वाहनों से जरिए किए जाने वाले व्यापार की स्थिति में ट्रेड लाइसेंस (प्रतिवर्ष)

- मिनी ट्रक, पिकअप वेन, जीप आदि या कोई भी चार पहिया वाहन से व्यापार की स्थिति में नगर निगम में 400 रुपये प्रति वाहन, नगर पालिका में 300 रुपये प्रति वाहन, नगर परिषद में 200 रुपये प्रति वाहन शुल्क चुकाना होगा।

- ऑटो रिक्शा या कोई भी तिपहिया वाहन से व्यापार की स्थिति में नगर निगम में 250 रुपये प्रति वाहन, नगर पालिका में 200 रुपये प्रति वाहन, नगर परिषद में 150 रुपये प्रति वाहन शुल्क चुकाना होगा।

हर दो साल में पांच प्रतिशत पांच प्रतिशत बढ़ेगी फीस

नए प्रावधान में बताया गया है कि हर दो साल में टैक्स 05 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, फीस भी साल भर में एक मुश्त अग्रिम चुकानी होगी। लाइसेंस नवीनीकरण के लिए कम से कम एक माह पूर्व आवेदन करना होगा। छह माह तक नवीनीकरण नहीं कराने पर 15 प्रतिशत से लेट फीस भी वसूली का प्रावधान किया गया है। यदि स्थान परिवर्तन किया जाता है तो नई ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा। इस पूरी प्रक्रिया के लिए नगरीय प्रशासन ने प्रारूप भी जारी किया है।

निकायों की आय बढ़ाने पर जोर

मध्यप्रदेश की अधिकांश नगरीय निकायों की माली हालत खस्ता है। लिहाजा राजस्व बढ़ाने के लिए जोर दिया जा रहा है। बीते चार साल में राजस्व वसूली के लिए सख्ती भी की गई। इसके अलावा सुविधाओं के हिसाब से ग्रीन वेस्ट, सीवेज टैक्स समेत अन्य मदों से वसूली की जा रही है। ट्रेड लाइसेंस मद के आंकड़े बताते हैं कि इस मद से निकायों की आमदनी अच्छी होती रही है। फीस को अलग-अलग श्रेणियों में लाने के बाद सबसे ज्यादा फायदा नगर पालिका और नगर परिषदों को होगा।

Narendra Saluja
@NarendraSaluja

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने आज उज्जैन में परिवार सहित बाबा महाकाल के दर्शन व पूजन कर आशीर्वाद लिया एवं प्रदेशवासियों के सुख , ख़ुशहाली एवं समृद्धि की कामना की...

जय महाकाल...

पृथ्वी दिवस पर घर घर हवन करें, घी का दीपक शाम को प्रज्वलित करें, रंगोली बनाएं

आज आनन्द गोष्ठी का महाअभियान

भोपाल। पृथ्वी पर जंगलों का कटाव जानवरों और पौधों को इतना करीब ले आया है, कि जिससे कि पृथ्वी का संतुलन ही बिगड़ रहा है। बर्ड फ्लू,स्वाइन फ्लू, इबोला, निपाह, सार्स,कोरोना जैसी कई बीमारियाँ पृथ्वी पर हमारे द्वारा (मानव द्वारा) पैदा किये गए असन्तुलन का परिणाम है। इसलिये 22 अप्रेल को पृथ्वी दिवस पर घर घर गायत्री मंत्र और अथर्ववेद के चार मन्त्रों इन्द्राय स्वाहा,प्रजापतये स्वाहा, अग्नये स्वाहा, सोमाय स्वाहा से सूर्यास्त के पूर्व हवन करें, शाम को घी का दीपक तुलसी के पास प्रज्वलित करें।

संस्था आनन्द गोष्ठी के संरक्षक गोविन्द मालू ने यह आव्हान करते हुए बताया कि इस अवसर पर हर परिवार हवन करे, बाद में सामूहिक संकल्प दोहराएं कि हे धरती माँ जो कुछ भी तुमसे लूँगा उतना ही तुझे वापस करूँगा, तेरी जीवनी शक्ति - सहन शक्ति पर कभी आघात नहीं करूँगा। श्री मौनी बाबा आश्रम गायत्री नगर पर भी पृथ्वी दिवस सामूहिक रूप से मनाया जाएगा। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष पृथ्वी दिवस पर यह आयोजन किया जाता है। इस हेतु प्रचार के लिए एक समिति बनाई है, शहर को 11 क्षेत्रों में बांट कर ये सभी मोबाइल और सोशल मीडिया पर ऐसा आग्रह कर प्रचार करेंगें। समिति में शिवप्रकाश अजमेरा, डी. एन. तिवारी,अमित विजयवर्गीय, संजय चंडक, केदार हेड़ा, अंशुल पंडित, आदर्श सचान, जितेंद्र पाटोदी, कीर्ति अरझरे, रचना गुप्ता, मंजू चतुर्वेदी, मंजू कुशवाह, अनिता व्यास, रश्मि गुप्ता, बबिता सोलंकी, राजेन्द्र असावा, लक्ष्मीकांत बंग, अंकित चोपड़ा, गोलू रघुवंशी, शैलेन्द्र राठौर, विपिन तिवारी, धनंजय गुंजाल, नितिन पाटीदार, राधिकेश सराफ, भानु शर्मा, दिनेश गर्ग, सुनील वर्मा, विपुल गोयल, अंकित दवे, सुनील पुरोहित, अमित झा लिए गए हैं। यह सभी इंदौर में अनेक स्थानों पर हवन कर रंगोली बनाएंगे।

25 साल से अफसरों को आईपीएस अवॉर्ड नहीं, एसपीएस के 275 लोग कतार में

राज्य पुलिस सेवा की महिला अधिकारियों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को ज्ञापन सौंपा

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) की महिला अधिकारियों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने मांग की कि कई साल से राज्य पुलिस सेवा में नौकरी के बाद भी आईपीएस अवॉर्ड नहीं हुआ है। महिला अफसरों ने 21 अप्रैल को मुख्यमंत्री से मिलकर बताया कि मध्य प्रदेश में राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी कैडर कुप्रबंधन के चलते वर्तमान में कई विसंगतियों और परेशानियों का सामना कर रहे हैं। देश में ज्यादातर राज्यों में राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में 10 से 15 साल सर्विस वाले अधिकारियों का चयन हो रहा है। वहीं, मध्यप्रदेश में 25 साल से ज्यादा सर्विस वाले एसपीएस अधिकारी भी कैडर के समुचित प्रबंधन ना होने से भारतीय पुलिस सेवा अवॉर्ड होने वंचित रह रहे है।

आवेदन में लिखा है, मध्य प्रदेश में राज्य और पुलिस सेवा का कैडर राज्य का सबसे बड़ा कैडर है, जिसमें वर्तमान में 1269 अधिकारी हैं। आईपीएस अपाइंटमेंट बाई प्रमोशन रेग्यूलेशन 1955 के अनुसार देश के अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश में भी भारतीय पुलिस सेवा में अधिकारी 67 प्रतिशत सीधी भर्ती से आते हैं और 33 प्रतिशत राज्यर पुलिस सेवा के उत्कृष्टभ एवं लम्बीव सेवा अधिकारियों में से चयनित होते हैं। आईपीएस अपाइंटमेंट बाई प्रमोशन 1955 रेग्यूलेशन 5(1) के अनुसार, 8 साल के सेवाकाल के बाद ही राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में चयन की पात्रता आती है। स्थिति इतनी गंभीर है कि भारतीय पुलिस सेवा में चयन की पात्रता रखने वाले लगभग 275 अधिकारी

भारतीय पुलिस सेवा में चयन के लिए इंतजार कर रहे हैं। इसके कारण बड़ी संख्या में राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को पूरी सर्विस में एक पदोन्नति मिले बिना रिटायरमेंट की स्थिति बन रही है। इससे ना केवल उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है, लेकिन राज्य और पुलिस सेवा के अधिकारियों के मनोबल, आत्मसम्मान और कर्तव्यपरायणता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में कुछ राज्यों में भारतीय पुलिस सेवा में चयन के लिए राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी उपलब्ध ना होने एवं कुछ राज्यों में इनकी अधिकता होने से भारी असमानता है। ऐसे में राज्यों के राज्य पुलिस सेवा के अफसरों के भारतीय पुलिस सेवा में चयन के लिए पात्र अधिकारियों का एक सेंट्रल पूल तैयार किया जाए, जिसमें सहमति बनने पर जिन राज्यों में कमी है, वहां उन्हें भारतीय पुलिस सेवा में चयन हेतु पात्र माना जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्रीय पुलिस संगठनों, सेना, एयरफोर्स, नेवी में प्रमोशन के लिए किसी विशिष्ट कैडर में जाने की अनिवार्यता नहीं है। जबकि राज्य पुलिस सेवा में एसपी और इसके ऊपर के पदों पर जाने के लिए भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग में चयन की अनिवार्यता है। इसके कारण सैकड़ों उत्कृष्ट सेवा के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी बिना प्रमोशन ही रिटायर हो जाते हैं। अत- केंद्रीय पुलिस संगठनों और सशस्त्र बलों के समान प्रमोशन दिया जाए। इस राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए एसपी, डीआईजी के पद रिजर्व किए जाएं। मध्ययप्रदेश में राज्य पुलिस सेवा संवर्ग को अभी तक पांचवां वेतनमान (8900 ग्रेडपे) नहीं मिला है, जबकि एक ही प्रतियोगी परीक्षा से समकक्ष सेवा में भर्ती राज्य प्रशासनिक सेवा (म्प्स्) और राज्य वित्त सेवा संवर्ग को 5वां वेतनमान 2018 से ही मिल रहा है। इस संबंध में पुलिस मुख्यातलय का पत्र क्र./पु.मु./1/रापुसे/3/309/2022 दिनांक 29-04-2022 के द्वारा अपने पूर्व पत्रों एवं शासन की पृच्छाओं के अनुक्रम में शासन को विस्तृत रूप से भेजा गया है। राज्य पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को पूर्व की तरह जिला एसपी और बटालियन में सेनानी के पद पर पदस्थ करना चाहिए। राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के अधिकारियों की अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति की सीमा अत्यंत सीमित है। कैडर प्रबंधन और गरिमा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के अधिकारियों को अन्य विभागों जैसे पर्यटन, विधानसभा सुरक्षा, जेल विभाग, पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन खेल विभाग, नगर निगम, गृह विभाग (वल्लभ भवन) में डेपुटेशन पर भेजे जाने के लिए पद सुनिश्चित किए जाएं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री जी कहिन

प्रधानमंत्री जो भी कहते हैं, उसके कुछ मायने तो होते हैं। इसीलिए यह प्रश्न उठ रहा है कि आखिर आईएएस अधिकारियों उन्होंने क्यों कहा– राजनीतिक दलों पर रखो ध्यान नहीं तो देश लुट जाएगा? आखिर राजनीतिक दलों ने ऐसा क्या किया, जिससे उन पर उंगली उठाई गई है? और ब्यूरोक्रेसी ने ऐसा नहीं किया, जिससे उन पर भरोसा करने की बात कही गई है? क्या वाकई राजनीतिक दल टैक्सपेयर्स का पैसा गलत इस्तेमाल कर रहे हैं? फिर केंद्र से लेकर कई राज्यों में तो खुद उनकी ही सरकारें हैं!

पहले सिविल सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए

भाषण के कुछ अंशों पर एक बार फिर दृष्टि डालते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आग्रह कहता हूं देश ने आप पर बुहत भरोसा किया है, उस भरोसे को कायम रखिए। आपकी सेवा में आपके निर्णयों का आधार देशहित होना चाहिए। मुझे विश्वास हैं कि आप इस कसौटी पर भी खरा उतरेंगे। साथियों किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक दांव का बहुत महत्व होता है। लेकिन एक ब्यूरोक्रेट के तौर पर एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर आपको हर निर्णय में सवालों का जरूर ध्यान रखना होगा।

वो कहते हैं– जो राजनीतिक दल सत्ता में आया है वो देश के टैक्सपेयर्स का पैसा कहां इस्तेमाल कर रहा है, उसका ध्यान आपको रखना ही होगा। वो राजनीतिक दल अपना वोट बैंक बनाने के लिए सरकारी धन लुटा रहा है, या सभी का जीवन आसान बनाने के लिए काम कर रहा है, वो राजनीतिक दल पैसे से प्रचार कर रहा है। ये देखना होगा। सरदार पटेल जिस ब्यूरोक्रेसी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहते थे, उसे पूरा करना है, ब्यूरोक्रेसी से चूक हुई तो देश का धन लुट जाएगा।

यानि कहीं न कहीं वो यह महसूस कर रहे हैं कि टैक्सपेयर्स यानि जनता के पैसे का सत्ता में बैठे लोग दुरुपयोग कर रहे हैं। एक सवाल उठाया जा रहा है, भले ही विपक्ष की ओर से आ रहा हो– हर काम बड़े – विशाल कार्यक्रम के माध्यम से किया जा रहा है। दिखावा अधिक हो रहा है। हर दिन सरकार ईवेंट कर रही है, इनमें सरकार का करोड़ों रुपए खर्च हो रहा है। सरकार का यानि जनता का, यानि टैक्सपेयर्स का? फिर मेगा ईवेंट तो स्वयं प्रधानमंत्री भी कर रहे हैं। कुछ कड़वा जरूर लगेगा, पर सही तो है। और यदि दूसरे राजनीतिक दल यदि ऐसा कर रहे हैं, तो जांच के लिए सरकारी एजेंसियां हैं। लेकिन सभी के लिए होना चाहिए। केवल विपक्ष में बैठे दलों पर उंगलियां उठाई जाएं, यह लोकतंत्र के मानदंडों के अनुकूल नहीं होगा और न ही देश हित में होगा।

एक बात और, उन्होंने सिविल सेवकों से अपने भाषण में बहुत ज्यादा उम्मीदें दिखाई हैं। वो कहते हैं– देशवासियों की उम्मीदों को पूरी करने के लिए तेजी से निर्णय लेने होंगे। हमें उन्हें पूरा करना होगा। हमें पूरा सामर्थ से जुटना होगा, तेजी से निर्णय होंगे, उन निर्णयों को उतने ही तेजी से लागू करना होगा। भारत का समय आ गया है। ऐसी स्थिति में भारत की नौकरशाही को एक भी पल गंवाना नहीं है, भारत की हर ब्यूरोक्रेसी से चाहे वो राज्य में हो या केंद्र में। सरकार की प्राथमिकता है वंचितों को वरीयता। आज की सरकार देश के सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव न मानकर उन्हें फर्स्ट विलेज मानते हुए काम कर रही है। हमें इससे भी अधिक मेहनत की और खोजपरक समाधान की जरूरत होगी। प्रशासन का बहुत बड़ा समय, एनओसी, प्रमाण पत्र और क्लियरेंस में चला जाता है, हमें इसका समाधान निकलना होगा। तभी इज ऑफ डूइंग बढ़ेगी और इज ऑफ बिजनेस बढ़ेगा। पीएम मोदी ने कहा कि लास्ट माइल डिलीवरी अगर ठीक नहीं हो तो काम पूरा नहीं होगा।

उम्मीद अच्छी बात है। लेकिन आजादी के बाद से ही इसी ब्यूरोक्रेसी के माध्यम से हम जनता के कार्यक्रम लागू कर रहे हैं। क्या अंतिम छोर तक लाभ पहुंच पाया? आखिर राजीव गांधी को क्यों कहना पड़ा कि हम एक रुपए देते हैं, अंतिम छोर तक चौदह पैसे पहुंचते हैं? क्या यह भी बताना पड़ेगा कि बीच की कड़ी प्रशासन और उसमें बैठे ब्यूरोक्रेट से लेकर बाबू–चपरासी तक शामिल हैं? क्या यह भी बताना पड़ेगा कि इसी प्रशासन में बैठे निचले स्तर के लोग करोड़पति निकलते हैं? क्या यह भी बताना पड़ेगा कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक फैला है?

अब प्रधानमंत्री कह रहे हैं, पहले के सिस्टम की देन थे जिसमें देश में 4 करोड़ से ज्यादा गैस कनेक्शन था, 4 करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड, एक करोड़ काल्पनिक महिलाओं और बच्चों को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सहायता जा रही थी। अल्पसंख्यक मंत्रालय 30 लाख फर्जी युवाओं को लाभ देता रहा था। मनरेगा के तहत देश में लाखों ऐसे फर्जी अकाउंट बने जिनका अस्तित्व ही नहीं था। जिनका कभी जन्म ही नहीं हुआ, वो सिर्फ कागजों में ही पैदा हुआ, ऐसे लाखों–करोड़ों फर्जी नामों के साथ एक ऐसा ही सिस्टम भ्रष्टाचार में जुटा था। तो क्या आज करोड़ों बीपीएल राशनकार्ड धारक फर्जी नहीं हैं? क्या आज आयुष्मान योजना में अरबों का घोटाला नहीं हो रहा? क्या मध्यप्रदेश जैसे राज्य में व्यापमं घोटाला नहीं हुआ? क्या पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाला पिछले सिस्टम में हुआ? क्या राफेल का मुद्दा पुराना है? क्या आज सब कुछ ठीक हो गया है? सवाल हैं, और उठेंगे भी।

लेकिन प्रधानमंत्री जी ने कहा है, तो उसके मायने हैं। गंभीर बात कही है। बहुत गंभीर। अब ब्यूरोक्रेसी क्या करती है, इस पर निगाहें तो रहेंगी। और इस पर भी रहना चाहिए कि कौन टैक्सपेयर्स के पैसे का गलत उपयोग कर रहा है। काश! हमारी पढ़ी–लिखी पीढ़ी भी थोड़ा असल मुद्दों पर ध्यान देने लगे। काश, हम मोदी जी की बात समझ जाएं।

ब्राह्मणत्व आचरण का विषय

जयराम शुक्ल

यदि शूद्र में सत्य आदि उपयुक्त लक्षण हैं और ब्राह्मण में नहीं हैं, तो वह शूद्र शूद्र नहीं है, न वह ब्राह्मण ब्राह्मण। युधिष्ठिर कहते हैं कि हे सर्प जिसमें ये सत्य आदि ये लक्षण मौजूद हों, वह ब्राह्मण माना गया है और जिसमें इन लक्षणों का अभाव हो, उसे शूद्र कहना चाहिए।

–महाभारत,वनपर्व सर्प–युधिष्ठिर संवाद

धर्मशात्रों में ब्राह्मणों का स्थान अप्रतिम और अमोघ माना गया है। लोग कह सकते है क्योंकि शास्त्रकार सबके सब ब्राह्मण होते थे इसलिए खुद को सर्वोपरि रखा। फिर भी ब्राह्मणत्व में ऐसा कुछ न कुछ तो होगा कि प्राय: प्रत्येक थर्मशास्त्रों में बार बार समाज को सावधान किया गया है कि वह ब्राह्मणों को रुष्ट होने का अवसर नहीं दे। क्योंकि–

मन्युप्रहरणा विप्रा: न विप्रा शस्त्रयोधिन:।
निहन्युर्मन्युना विप्रा: बज्रपाणिर वासुरान।।

ब्राह्मण शस्त्र उठाकर युद्ध नहीं करता, उसका हथियार उसका क्रोध है। क्रोध के द्वारा ब्राह्मण वैसा ही विनाश करता है, जैसा विनाश असुरों का इंद्र करते हैं।

वास्तविक पक्ष यह है कि ब्राह्मणों के शील, स्वभाव और चरित्र की कल्पना जिस ऊंचे धरातल पर की गई है उसे देखते हुए यह सर्वोपरि स्थान प्राप्त हुआ।

ब्राह्मण नैतिकता के प्रहरी थे। वे समाज के विवेक के प्रतिनिधि होते थे, अतेव उनका धर्म था कि स्वयं राजा भी कुमार्ग पर चले तो उसका प्रतिरोध करे।

स्पष्टत: यह वही कर सकता है जिसे किसी वस्तु का लोभ न हो। राजा के चरणों में बिछा ब्राह्मण चारण हो सकता है ब्राह्मण नहीं। वह धन और कीर्ति के लोभ में पड़कर अपने कर्तव्य से विमुख न हो।

भगवान शंकराचार्य से जुड़ी एक कथा है..संन्यास की दीक्षा के उपरान्त वे भिक्षा के लिए एक ब्राह्मणी के घर पहुंचे– मातु भिक्षाम् देहि, की टेर लगाई। ब्राह्मणी अत्यंत गरीब थी। उसके घर अन्न का एक दाना भी न था। वह स्वयं कई दिनों से भूखी थी ..पर याचक अतिथि को कैसे लौटाती। उसके घर एक सूखा आँवला था उसे भिक्षु शंकर को दे दिया।

कृशकाय गरीब ब्रह्माणी की दशा देखकर आचार्य शंकर की करुणा जगी। शंकर ने स्त्रोत पाठकर माँ लक्ष्मी का आह्वान किया। माँ प्रसन्न हुईं और शंकर की याचनानुसार गरीब ब्राह्मणी के घर को स्वर्ण आँवलों से भर दिया।

शंकराचार्य यह स्वयं के लिए कर सकते थे या ब्राह्मणी क्षुधापूर्ति के अंतिम साधन से अपना पेट भर सकती थी। पर दोनों ने अपने अपने धर्म का अनुपालन किया। वास्तव में ब्राह्मण धर्म यही है इसीलिए वेदान्त, पुराणों में ब्राह्मण की सर्वोच्चता है।

सच्चा ब्राहमण वो जो धन, यश, कीर्ति, सम्मान की अपेक्षा न करे। इसीलिए मनुस्मृति में बार बार ब्राह्मणों को सावधान किया गया है।

असम्मानात्तपोवृद्धि: सम्मानातु तप:क्षय:

असम्मान पाने से तपस्या में वृद्धि होती है, सम्मान पाने से तप का विनाश होता है।

सम्मानाद् ब्राह्मणो नित्यं उद्धिजेत विषादिव
अमृतस्यैव चाकांक्षेत अवमानस्य सर्वदा।

सम्मान से ब्राह्मण उसी प्रकार भागे, जैसे मनुष्य जहर से भागता है और अपमान की कामना वह उसी प्रकार करे, जैसे लोग अमृत की कामना करते हैं।

अर्चित: पूजितो विप्र: दुग्ध गौरिव सीदति।

अर्थात अर्चित पूजित विप्र दुही हुई गौ के समान सूख जाता है। यह मनु का आख्यान है उनके स्मृति ग्रंथ में।

क्या ऐसा नहीं लगता कि हम ब्राह्मणत्व के गौरव का तो उपभोग करना चाहते हैं पर उसके जीवन आचरण के कठोर अनुशासन को विस्मृत कर देते हैं। वैदिक काल में ब्राह्मणों का इसलिए सत्कार था क्योंकि वे कठोर जीवन का निर्वाह करते थे। एक बड़ा प्रश्न वैदिक काल से ही विमर्श का विषय रहा है कि ब्राह्मणत्व जन्म से प्राप्त होता है या कर्म से।

जन्मना जायते शूद्र: संस्काराद् द्विज उचयते।

इस श्लोक से स्पष्ट है वर्ण निर्धारण कर्म से होना चाहिए। किंतु अत्रि संहिता में यही बात विपरीत ढंग से कही गयी है।

जन्मना ब्राह्मणौं ग्येय: संस्काराद् द्विज उच्यते।

अर्थात् ब्राह्मण जन्म से ही ब्राह्मण होता है, संस्कारों से द्विजत्व की प्राप्ति होती है।

यह शंका महाभारतकार महर्षि व्यास के भी मन में भी थी, जिसे उन्होंने वनपर्व में वर्णित युधिष्ठिर–सर्प संवाद में प्रत्यक्ष किया है। सर्प युधिष्ठिर से पूछता है..ब्राह्मण कौन है? इस पर युधिष्ठिर कहते हैं कि ब्राह्मण वह है, जिसमें सत्य, क्षमा, सुशीलता, क्रूरता का अभाव तथा तपस्या और दया, इन सद्गुणों का निवास हो। इस पर सर्प शंका करता है कि ये गुण तो शूद्र में भी हो सकते हैं, तब ब्राह्मण और शूद्र में क्या अंतर है?

शूद्रेष्वपि च सत्यं च दानम्क्रोध एव च
आनृशंस्त्रमहिंसा च घृणा चैव युधिष्ठिर।

अर्थात् हे युधिष्ठिर, सत्य, दान,दया, अहिंसा आदि गुण तो शूद्रों में भी हो सकते हैं। इस पर युधिष्ठिर ने जो उत्तर दिया, वह किसी भी अभिनव मनुष्य का उत्तर हो सकता है। युधिष्ठिर ने कहा..

शूद्रे तु यद् भवेल्लक्ष्म द्विजे तच्च न विद्यते,
न वै शूद्रो भवेच्छूद्रो ब्राह्मणो न च ब्राह्मण:।
यत्रैतल्लक्ष्यते सर्प वृत्तं स ब्राह्मण: स्मृत:
यत्रैतन्न भवेत सर्प तं शूद्रमति निर्दिशेत।

अर्थात यदि शूद्र में सत्य आदि उपयुक्त लक्षण हैं और ब्राह्मण में नहीं हैं, तो वह शूद्र शूद्र नहीं है, न वह ब्राह्मण ब्राह्मण। हे सर्प जिसमें ये सत्य आदि ये लक्षण मौजूद हों, वह ब्राह्मण माना गया है और जिसमें इन लक्षणों का अभाव हो, उसे शूद्र कहना चाहिए।

भारतीय ग्यान परंपरा की अमूल्य निधि वैदिक वाग्यमय की रचना अकेले ब्राह्मणों ने नहीं की है। ऋषिपरंपरा में कर्म के आधार पर वर्ण व्यवस्था थी। परिणामस्वरूप वे जन ब्राह्मण माने गए जिन्होंने तप,साधना और ग्यान से ब्रह्म के रहस्य को जाना।

वेद सहित उस समय का रचा हुआ समग्र साहित्य श्रुति और स्मृति परंपरा से होते हुए उस काल तक पहुँचा जहाँ जनसंचार के साधन मिलने शुरू हुए। जब यह ग्यान वृहद ग्रंथों के रूप में संकलित होने लगा तब इसमें ग्रंथकारों की ओर से क्षेपक और बुद्धिविलास बखानने का काम शुरू हुआ। वैदिक ग्रंथों की टीकाएं सुविधानुसार की जाने लगी इससे ग्यान की मूल अवधारणा दूषित होने लगी।

जिस वर्ग पर इसके संरक्षण व संवर्धन की जिम्मेदारी थी उसी ने सबसे ज्यादा यह काम किया। ऋषिपरंपरा से प्रवाहित प्रवाहित होकर चली यह ग्यान संपदा समयकाल के साथ विरूपित होती गयी।

आज जिस शोध व अनुसंधान की जरूरत है वह यही कि नीर–क्षीर विवेक का प्रयोग करते हुए वेद पुराणों के शुद्ध व संशोधित संस्करण लाए जाएं जो समयकाल के विरूपण से मुक्त हों।

ग्यान पर ब्राह्मणों का एकाधिकार कभी नहीं रहा। उसे हर वर्ग के लोगों ने संपन्न किया। विश्व के दो महान ग्रंथ हैं, पहला बाल्मीक कृत रामायण, दूसरा वेदव्यास कृत महाभारत। ये दोनों ही महापुरुष जन्म से ब्राह्मण नहीं हैं। सूतजी जिन्हें कथावाचक या सूत्रधार के रूप में पुराणों को लोकमानस तक पहुंचाने का श्रेय जाता है वे ब्राह्मण नहीं अपितु वर्ण से शूद्र थे।

वेद ध्वनि सुनने पर शूद्र और स्त्री के कानों में पिघला हुआ सीसा डाल देने का श्लोक रचने वाले वही स्वार्थी तत्व थे जिन्होंने ने ऋषि परंपरा से निकले ग्यान को कर्मकाण्ड में बदलकर उसे अपनी वृत्ति(पेशा) बना लिया। यह जानना चाहिए कि वेद किन्हीं एक व्यक्ति द्वारा नहीं लिखे गए। यह तत्कालीन समाज की सहकारी रचनाकर्म है जिसमें महिलाओं का योगदान अग्रगण्य है।

वेदों में विदुषियों का सम्मान सहित उल्लेख है। और फिर इस बात का उल्लेख पहले ही कर चुका हूँ कि वेदों के रचनाकाल के समय कर्म आश्रित वर्णव्यवस्था थी, स्मृति ग्रंथों व पुराणों के रचनाकाल में घनीभूत और रूढ़ होती गई।

इसलिए महाभारत में युधिष्ठिर–सर्प संवाद में ब्राह्मण व शूद्र को जिस तरह परिभाषित किया गया और ग्रंथकार वेदव्यास ने जो परिभाषा दी वही सबको ग्राह्य और विशाल हिंदू समाज में उसी की ही पुर्नप्राणप्रतिष्ठा की जानी चाहिए।

भारत में अच्छे विश्वविद्यालय होते तो?

राकेश दुबे

आस्ट्रेलिया के पांच विश्वविद्यालयों ने भारत के पाँच राज्यों पंजाब, हरियाणा, गुजरात, यूपी व बिहार के आवेदकों को वीजा नियमों में हेरफेर करने का आरोप लगाकर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है।वजह पढ़ाई के बजाय वहां बसने के मकसद है। निश्चित रूप से यह कार्रवाई भारत और देश इन राज्यों की प्रतिष्ठा पर आंच आने जैसी है क्योंकि भविष्य में इन राज्यों के योग्य छात्र–छात्राओं को भी इस सुविधा से वंचित होना पड़ सकता है।

इन राज्यों को संदिग्ध सूची में डालने के बाद यहां के छात्रों के अध्ययन वीजा के आवेदनों को अधिक सावधानी से जांचना शुरू कर दिया गया है। दरअसल, वहां किसी भी शिक्षण संस्थान में यदि अधिक गैर–वास्तविक छात्र पाये जाते हैं तो आस्ट्रेलिया सरकार द्वारा जोखिम रेटिंग में परिवर्तन कर दिया जाता है। निस्संदेह, छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा पाने की संभावनाओं का पूरी तरह से अवलोकन करना चाहिए। वे सर्वोत्तम नौकरियों के लिये खुद को तैयार करने के तमाम उपायों पर विचार भी करें। यदि कोई विश्वविद्यालय इस दृष्टि से कसौटी पर खरा उतरता है तभी फीस का भुगतान करना चाहिए। वीजा हासिल करते वक्त भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे विश्वविद्यालय सभी नियमों का पालन करते भी हैं या नहीं।

युवाओं को जागरूक होना होगा कि वे फर्जी एजेंटों के चंगुल में न फंसें। इन्हें विदेशों में अवैध प्रवासियों की दुर्दशा की जानकर इस बारे में सजग होना चाहिए। साथ ही यह भी जानना चाहिए कि विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के लिए आवेदन हेतु फॉर्म भरते समय छात्र अतिरिक्त सावधानी बरतें। कुछ प्रतिष्ठित संस्थान भी है, जो पूरी निष्ठा से भारतीय छात्रों का मार्गदर्शन भी करते हैं।

इसके साथ विदेशों में पढ़ने की चाह रखने वाले छात्रों को अपने लक्षित विश्वविद्यालय और उस देश के नियम–कानूनों की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। उन्हें इन संस्थानों की वेबसाइटों की भी जांच करनी चाहिए। उनकी शर्तों व नियमों को पूरी तरह पढ़ना चाहिए। विगत में देखा गया है कि उन्हें पर्याप्त नियम–कानूनों की जानकारी न होने के कारण उन देशों के सख्त कानूनों का भी शिकार होना पड़ सकता है। साथ ही इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि उन देशों में पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के बाद हासिल डिग्री व डिप्लोमा की अपने देश भारत में कितनी स्वीकार्यता होती है। उन्हें यह भी जानना चाहिए कि जब वे देश लौटें तो क्या उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। दरअसल, रोजगार का परिदृश्य उतना लुभावना नहीं होता है जितना कि छात्र कल्पना करते हैं। समस्या यह भी है कि विदेशों में पढ़ाई के लिये वीजा हासिल करना तथा उसकी अवधि समाप्त होने के बाद उन देशों में जमे रहना नियमों का उल्लंघन भी होता है। इतना ही नहीं, इन नियमों के उल्लंघन से , बेहतर भविष्य के लिये पढ़ाई की चाह रखने वाले वास्तविक छात्रों के लिये मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। निस्संदेह, नियम–कानूनों के उल्लंघन से विदेशों में भारत की छवि भी खराब हो सकती है।

बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिये मां–बाप भी अपने तमाम आर्थिक संसाधन दांव पर लगा देते हैं। बाद में उन्हें पता लगता है कि उनके साथ ठगी हो गई है। दरअसल, अध्ययन वीजा के जरिये विदेश में बसने की सनक ने कुछ नक़ली आव्रजन एजेंटों की फौज खड़ी कर दी है। जो युवाओं को भ्रामक पाठ्यक्रमों तथा यहां तक कि नकली विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिलाकर धोखा तक दे रहे हैं। हाल में कुछ ऐसी ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं कनाडा और अमेरिका में सामने आई हैं जहां घोटाले के उजागर होने के बाद सैकड़ों छात्रों को निर्वासन का सामना करना पड़ा है। इससे निबटने का बेहतर तरीक़ा भारत में अच्छे विश्वविद्यालयों की स्थापना हो, जो फ़िलहाल नहीं हैं।

अजित को जीतने की कोशिशें आखिर क्यों ?

राकेश अचल

महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना गठबंधन की सरकार है लेकिन भाजपा को मजा नहीं आ रहा । भाजपा को अपने साथ एनसीपी के अजित पवार भी चाहिए ताकि सरकार और मजबूत हो जाये। मजबूत ही न हो जाये बल्कि भविष्य के लिए एनसीपी महाराष्ट्र और दिल्ली में भी भाजपा के लिए कोई खतरा न रहे। इस समय जहां भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है वहीं उसे देश की सबसे ज्यादा असुरक्षित पार्टी भी कहा जा सकता है। देश का एक भी ऐसा प्रांत नहीं है जहां भाजपा बेफिक्र होकर राज कर पा रही हो। उत्तर प्रदेश को भी आप अपवाद नहीं मान सकते।

एनसीपी पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पंवार की पार्टी है इस दशक के पिछले पन्ने पलटकर देखिये तो आपको पता चलेगा की भाजपा देश में राम राज की स्थापना के लिए सतत प्रयत्नशील है ,लेकिन इसके लिए उसे हर प्रांत में बिभीषणों की जरूरत पड़ती रही है । भाजपा ने रामराज की स्थापना के लिए जनादेश के साथ ही दूसरे तमाम रास्ते भी ईमानदारी से इस्तेमाल किये हैं। जहां जनादेश नहीं मिला वहां धनादेश से सत्ता हासिल कर ली और जहां धनादेश नहीं मिला वहां बिभीषणों के जरिये सत्ता हासिल कर ली। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बिभीषन नहीं मिले ये और बात है।

महाराष्ट्र में भाजपा शिवसेना को दो फाड़ कर सत्ता में बैठी है लेकिन उसे भरोसा नहीं हो रहा की प्रदेश में सत्ता भाजपा –शिवसेना गठबंधन की है भी या नही। इसीलिए अब महाराष्ट्र में शरद पवांर की पार्टी एनसीपी को दो फांक करने की कोशिश में लग गयी है। एनसीपी में शरद पंवार के भतीजे अजित पवांर पार्टी को भाजपा के साथ जोड़ने के लिए उतावले है। वे अविश्वसनीय नेता है। पहले भी पार्टी को बेचने की कोशिश कर चुके है। इस बार शायद वे मुख्यमंत्री बनने की शर्त पर एनसीपी तोड़ना चाहते हैं। लेकिन चचा शरद पंवार उन्हें ऐसा करने नहीं दे रहे।आपको याद होगा की भाजपा ने हिन्दू राजनीति की एक प्रबल धुरी रही शिवसेना को दो फांक करने में कामयाबी हासिल की है।

महाराष्ट्र में भाजपा लम्बे समय के बाद भी अपना एकछत्र शासन कायम करने में कामयाब नहीं हुई है। 1993 के बाद महाराष्ट्र में भाजपा की कोशिशें शुरू हुईं लेकिन आजतक उसे अपनी डैम पर सरकार बनाने का मौक़ा नहीं मिला ।उसे कभी शिवसेना का बगलगीर होना पड़ा तो कभी एनसीपी की पालकी उठाना पड़ी। भाजपा ने 2014 में शिवसेना के साथ मिलकर सरकार बनाई थी ,और तब से अकेले सरकार बनाना भाजपा का एक अधूरा सपना ही है।भाजपा के शीर्ष नेता अमित शाह की जादूगीरी भी महाराष्ट्र में भाजपा को दोनों पांव जमाने की जगह नहीं दिला पाए।

लगता है कि अब भाजपा अपने सहयोगी नहीं बल्कि कांग्रेस कि मित्रों को तलाश कर उन्हें कांग्रेस से अलग करने की कोशिश कर रही ह। एनसीपी पर शायद इसी गरज से उसने डोरे डाले हैं। याद रहे की एनसीपी इन दिनों भी कांग्रेस कि साथ है। महाराष्ट्र में भी और महाराष्ट्र कि बाहर भी। विपक्षी एकता की धुरी भले न हो एनसीपी लेकिन उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जब तक एनसीपी कांग्रेस कि साथ है

तब तक भाजपा कि लिए उसकी चुनौती समाप्त होने वाली नहीं है। एनसीपी को कमजोर किये बिना भाजपा का मजबूत होना नामुमकिन है क्योंकि आज भी एनसीपी भारतीय राजनीति में एक प्रतीतक स्वर है।

भाजपा इधर महाराष्ट्र में एनसीपी को तोड़ने की कोशिश कर रही है उधर भाजपा की नजर राजस्थान में सचिन पायलट पर लगी ह। भाजपा चाहती है की यदि सचिन राजस्थान में भाजपा कि लिए बिभीषन की भूमिका स्वीकार कर लें तो भाजपा का काम आसान हो सकता है। पता नहीं क्यों सचिन अभी तक कांग्रेस से छोड़–छुट्टी नहीं कर पाए हैं जबकि उनके हर कदम से कांग्रेस को नुक्सान हो रहा है। कांग्रेस में अब वे न घर कि हैं और न घाट के। राजस्थान की ही तरह भाजपा को छत्तीसगढ़ में भी कोई बिभीषन अभी तक नहीं मिला है,मजबूरन इन दोनों प्रदेशों में भाजपा को अकेले ही विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला करना पडेगा।

पिछले पांच साल में कांग्रेस और भाजपा के बीच जंग लगातार चल रही है। भाजपा अपना एक बुर्ज मजबूत करती है तो उसका दूसरा बुर्ज कमजोर हो जाता ह। जैसे अभी हाल में ही कर्नाटक में भाजपा के वरिष्ठ नेता कांग्रेस में शामिल हो गए हालांकि वे भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। मध्यप्रदेश में भी कर्नाटक की ही तरह ?न मौके पर यदि ऐसी ही भगदड़ शुरू हो जाये तो किसी को हैरान नहीं होना चाहिए। मध्यप्रदेश में भाजपा का दुर्ग ढ़हने से बचने के लिए संघ और भाजपा का नेतृत्व जीजान से जुटा हुआ है ,क्योंकि भाजपा को पता है की अकेले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के बूते कुछज्यादा होने वाला नहीं है।

देश में वर्ष 2024 का रन्न शुरू होने से पहले समूची हिंदी पट्टी में यदि भाजपा की एक भी ईंट खिसकती है तो उसकी विजय यात्रा को धक्का लग सकता है ,क्योंकि दक्षिण से भाजपा को बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं ह। कहीं का ईंट और कहीं का रोड़ा जोड़े बिना उसका सत्ता में बने रहना अब असम्भव सा हो गया है। भानुमती का कुनबा अब भाजपा की जरूरत भी है और मजबूरी भी। भाजपा के कुनबे में पूर्व में रह चुके राजनितिक दल अब शायद ही लौट कर वापस आएं,ऐसे में परिदृश्य का रोचक होना स्वाभाविक है। फिलहाल सबकी नजर महाराष्ट्र पर है। महाराष्ट्र में जो होना है, जल्द हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

शांति कांप्लेक्स में मुस्लिम रोजेदारों को आमंत्रित कर सामूहिक रोजा इफ्तार का कार्यक्रम

ओबैदुल्लागंज मुस्लिमों के पवित्र महीना रमजान में प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी परब शांति कांप्लेक्स में मुस्लिमों रोजेदारों को आमंत्रित कर सामूहिक रोजा इफ्तार का कार्यक्रम रखा गया इफ्तार पार्टी में नगर के गणमान्य नागरिक के अलावा बड़ी संख्या में रोजेदार भी शामिल हुए इस अवसर पर मुस्लिम समाज के सदर गुड्डू भाई ने कहा की प्यार और सौहार्द से बडकर दुनिया में कोई चीज नही सबको एक दिन कंधे पर मालिक के घर जाना है इसलिए आपस में प्यार बांटते चलो परब शांति कांप्लेक्स के संचालक अनुराग जैन (बब्बल भैया) एकता-भाईचारे का संदेश देते हुए, सबके तरक्की, खुशहाली और अमन-चैन की दुआएं मांगी। संयोजक राजेश सैनी और बंटी भाई (राजेशजोशी) इस आयोजन में बड़ी संख्या में रोजेदार सहित जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोगो द्वारा भाग ले कर कार्यक्रम को सफल बनाने और सामाजिक एकजुटता का संदेश देने के लिए सभी का का आभार प्रकट करते हुए कहा की नगर में इसी तरह भाईचारा बना रहे इस अवसर पर पार्षद अमीर ममनून, सलीम बाबा, अन्नु भाई ,सलमान, परवेज भाई , अनवर कालेज , सादाब, नजीबुल्ला खान , सिकंदर ,असलम ट्रांसपोर्ट , असलम खान , रफीक, शकील के साथ बहुत बड़ी संख्या में रोजेदार एकत्रित हुए सुमित योगी , दिनेश दाडगे ,पवन ,रमेश मेघानी , रतन मेघानी , संजय जोगी , अनिता कुशवाहा श्रीमती सुमति जोशी , दिनेश वैष्णव कमलेश मेघानी ने सभी रोजेदारों का इस्तकबाल कर फूल माला पहनाकर सबका स्वागत किया

गेहूं उपार्जन केंद्रों पर नही पुख्ता इंतजाम भीषण गर्मी से जूझ रहे किसान

दमोह । दमोह जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ सुजान सिंह ने गेहूं उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण दौरान सेवा सहकारी समिति बनवार, घटेरा द्वारा पलक वेयर हाउस में उपार्जन केंद्र पर गेहू खरीदी का कार्य किया जा रहा है इसी प्रकार सेवा सहकारी समिति पटनामानगढ़ द्वारा मां बेयर हाउस में उपार्जन कार्य किया जा रहा है इस दौरान जब जबेरा जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने गेंहू उपार्जन केंद्र पहुंचे जहा पर किसानों ने बताया कि छाया के लिए टेंट एवं पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं है जहा पर जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ सुजान सिंह ने केंद्रों के प्रभारियों से बात की तब जाकर केंद्र प्रभारी ने कहा की मे इस गलती को सुधारता हूं और कल से किसानों के लिए पानी एवं टेंट की व्यवस्था करवा दी जाएगी।

गैंगरेप के आरोपी रोजगार सहायक की सेवा समाप्ति की मांग

शिवपुरी । कोलारस जनपद के गढ़ पंचायत के रोजगार सहायक को गैंगरेप के आरोप में बदरवास थाना पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपी रोजगार सहायक कई दिनों फरार चल रहा था। जेल भेजे जाने के बाद भी रोजगार सहायक पर जनपद पंचायत के द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। शुक्रवार को गढ़ गांव के ग्रामीणों ने रोजगार सहायक की सेवा समाप्त करने की शिकायत कोलारस जनपद पंचायत के सीईओ से की। ग्रामीणों का कहना है कि गढ़ पंचायत के रोजगार सहायक मुकेश धाकड़ ने अपने साथियों के साथ मिलकर 25 दिसंबर 2022 गढ़ गांव की रहने वाली 28 साल की महिला के साथ खेत में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया था।रोजगार सहायक मुकेश धाकड़ के साथियों को पुलिस पहले से ही जेल भेज चुकी थी, लेकिन मुकेश पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पा रहा था। बदरवास थाना पुलिस ने 11 अप्रेल को धाकड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बावजूद अब तक कोलारस जनपद पंचायत द्वारा रोजगार सहायक पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। इसकी शिकायत आज ग्रामीणों ने जनपद पंचायत कोलारस पहुंचकर दर्ज कराई है। जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर का कहना है कि उक्त मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने शिवपुरी कलेक्टर को कार्यवाही को लेकर पत्र भेज दिया है।

वोटर कार्ड में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए फॉर्म नं. 8 भरे

छतरपुर। मुख्य निर्वाचन म.प्र. के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के मतदाताओं से अपील है कि 15 मई 2023 के मध्य अभियान में 18 वर्ष की आयु वर्ग के समस्त पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किये जाने के लिए प्ररूप-6, किसी निर्वाचक का नाम हटाने के लिए प्ररूप-7 एवं निर्वाचक नामावली में प्रविष्टियों के संशोधन के लिए अर्थात नाम, रिश्ते, जन्मतिथि, पते, सरनेम, अस्पष्ट एवं ब्लैक एण्ड व्हाईट फोटो इत्यादि की त्रुटि को सुधरवाने के लिए प्ररूप-8 भरकर अपने मतदान केन्द्र के बीएलओं को उपलब्ध कराये। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए अवजमत मिसचसपदम ।चच एवं ीजजचेरूध्ध्दअेचण्पद का उपयोग कर सकते है।

उत्कृष्ट विद्यालय का छात्र संसद भवन में करेगा सहभागिता

छतरपुर। शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि.क्र. 01 में गुरू तेग बहादुर जी पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमे संस्था के छात्र प्रदीप कुमार पटेल कक्षा 12वीं ने म.प्र. में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अपने देश भारत वर्ष से कुल 26 छात्रों को चुना गया है। गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर जी की जयंती के उपलक्ष्य में 07 मई 2023 संसद भवन दिल्ली में सहभागिता हेतु सभी 26 छात्रों को बुलाया गया है। उक्त सभी छात्रो को 06 मई 2023 को संसद भवन दिल्ली में बुलाया गया है। उक्त छात्र की सफलता में संस्था प्राचार्य एस.के. उपाध्याय एवं संस्था के सभी शिक्षको ने ढेर सारी शुभकामनाये दी है।

झांसी जाकर आपाजी ब्लड ग्रुप के सदस्यों ने रक्तदान से बचाई पीड़ित की जान

मन मे सेवा भावना सच्ची हो तो इंसान दूरियां नही देखता आपाजी ब्लड ग्रुप के रफत खान ने बताया पीड़ित घायल झांसी में एक निजी हॉस्पिटल में इलाजरत था ऑपरेशन के लिए ब्लड की अति आवश्यकता थी पीड़ित के सभी परिजनों ने लगभग ब्लड दे दिया था फिर भी ब्लड की आवश्यकता थी यह जानकारी जब आपाजी ब्लड के रफत खान को मिली तब वे तुरंत अपने सक्रिय रक्तदानी विपिन सोनी और नदीम खान को पीड़ित की जान बचाने झांसी रक्तदान करने पहुचे विपिन का ये 28वां और नदीम का 8वां रक्तदान था दोनों ने अपने रक्तदान के संदेश में कहा कि अगर अपने शहर से दूर जाकर भी रक्तदान करना पड़े तो रक्तदान जरूर करे क्योकि हो सकता है आपके प्रयाश से किसी का परिवार बिखरने से बच जाये किसी के आंगन में खुशियां लोट आये इससे बड़ा पूण्य का कार्य और क्या हो सकता आपाजी ब्लड ग्रुप के रफत खान ने कहा आज अंतर्मन में बहुत खुशी हो रही है ।

खुदाई मे मिले सिक्कों को बेचने ले जा रहे दो लोगो को पकड़ा कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

दमोह पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह द्वारा शहर में हो रही घटनाओं में अंकुश लगाने एवं मुखबिर तंत्र मजबूत करने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारी गणो को निर्देशित किया गया था। जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक विजय राजपूत द्वारा क्षेत्र मे सतत निगरानी रखने हेतु टीम गठित की गई थी जो दिनांक 20.04.23 को मुखबिर के द्वारा उक्त टीम को सूचना दी गई की जटाशंकर रानी अवंती बाई पार्क के पास से दो व्यक्तियों के द्वारा जमीन खोदने पर मिले चांदी के सिक्कों को बेचने की फिराक में है। जो सूचना को विश्वसनीय मानते हुए टीम के द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए कुलदीप अहिरवार निवासी जटाशंकर मंदिर के पीछे एवं आरोपी हल्लू यादव पिता दिनेश यादव निवासी सिविल वार्ड 04 खोदे हुए बेसकीमती सिक्का के साथ पकड़ा जो दोनो व्यक्ति उक्त सिक्को को बेचने के लिये ग्राहक का इंतजार कर रहे थे जो उक्त दोनो व्यक्तियो के पास 15-15 चादी के सिक्के कीमती करीबन 20000 रुपये के मिले जिन्हें वैधानिक कार्यवाही करते हुए कब्जे में लिया गया एवं आरोपीगणों पर निखात अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की जा रही है।

नाम पता आरोपी- 1 कुलदीप अहिरवार पिता रमेश अहिरवार उम्र 25 साल निवासी जटाशंकर मंदिर

2 हल्लू यादव पिता दिनेश यादव उम्र 34 साल निवासी सिविल वार्ड 04

जप्त मशरूका कुल 30 चांदी के सिक्के कीमती 20000 रुपये

सराहनीय कार्य करने वालों के नाम निरीक्षक विजय राजपूत, उप निरी रोहित द्विवेदी, सउनि गोविन्द सिंह, आरक्षक देशराज, आरक्षक कृष्णकुमार, आरक्षक नवीन आरक्षक योगेन्द्र आरक्षक नवीन आरक्षक नरेन्द्र, आरक्षक ओम प्रकाश

हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए कलेक्टर को मिला प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड

सीहोर। सिविल सेवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन %%हर-घर जल%% योजना के अन्तर्गत बुरहानपुर जिले को %%प्रधानमंत्री अवार्ड फॉर एक्सीलेंस%% प्रदान किया। यह अवार्ड नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण सिंह के निर्देशन में बुरहानपुर हर घर नल से जल पहुंचाने वाला देश का पहला जिला बना है। इसके लिए बुरहानपुर कलेक्टर को प्रधानमंत्री अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। बुरहानपुर में जल जीवन मिशन %%हर-घर जल%% योजना पंचायतों द्वारा संधारित-संचालित की जा रही है। जिले में हर गांव में ग्राम जल स्वच्छता तदर्थ समिति गठित की गई है, जिसके द्वारा योजना का संधारण एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रत्येक गांव के वॉटरमेनों एवं प्लम्बरों को विधिवत रूप से प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया है। यह कौशल विकास का प्रयास रहा है, ताकि जल जीवन मिशन योजना का क्रियान्वयन बेहतर रूप से हो सकें।

इसके साथ ही प्रशासन द्वारा पंचायतों में कौशल विकास अंतर्गत %%नल जल प्रबंधन बुकलेट%% तैयार की गई है। यह बुकलेट योजना के संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करा रही है। स्वसहायता समूहों की महिलाओं द्वारा जल कर वसूली का कार्य किया जा रहा है। विगत 10 माह में 80 लाख से अधिक की राशि वसूल की गई है। इस कार्य से महिलाओं को रोजगार के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी मजबूती मिली है। पंचायतों द्वारा ग्रामीणजनों को जल संधारण एवं जल को सहेजकर रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है, जिससे हर-घर में जल उपलब्ध हो सकें।

आखिर विभाग ने मानी गलती, अशोक मिश्रा हुए वापस

शहडोल। शिक्षा विभाग मे चल रही भररेशाही पर आखिर अंकुश लग ही गया जिले के सहायक आयुक्त आंनद राय सिन्हा द्वारा एक ऐसा आदेश पारित किया है जिसको लेकर एक कहावत चरितार्थ हुई की यदि सुबह का भूला शाम को वापिस आये तो उसे भूला नहीं कहते कुछ इसी प्रकार अशोक मिश्रा जो की मूलतः प्राथमिक शिक्षक के रूप मे सेमरा स्कूल मे पदस्थ है जिनको जनजातीय कार्य विभाग से जिला शिक्षा अधिकारी के एक आदेशित पात्र अनुसार सहायक आयुक्त की सहमति पर शिक्षा विभाग मे आईटी सेल का प्रभारी बनाया गया था हालांकि नियमो पर गौर करें तो ये पूर्ण रूप से नियम विरुद्ध है क्यूंकि किसी भी विभाग को यह अधिकार नहीं है की बगैर जिले की मुखिया के सहमति के वो अन्य किसी विभाग मे कार्य कर सके परन्तु यह तो शहडोल जिला है यहाँ पर सब संभव है परन्तु इस खबर को जब हमारी टीम द्वारा प्राथमिकता से उठाया गया तो जिम्मेदारो ने अपनी गलती को मना और विगत दिवस एक आदेश क्र/जजका/शि. स्था 2/2023/2451 दिनांक 18.04.23 के माध्यम से अशोक मिश्रा को कार्यमुक्त कर उनको उनके मूल पद पर वापिस भेजा गया 7

लगातार शिक्षा विभाग की लापरवाही इन दिनों मीडिया के माध्यम से सुर्खियों पर है पर किन कारणों से इनपर जिम्मेदारो द्वारा ध्यानाकर्षण नहीं किया जा रहा है ये समझ से परे है यदि इनपर वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा विधिवत कार्यवाही कर जांच की जावेगी तो यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा की दूध का दूध और पानी का पानी होने मे जरा भी समय लगेगा 7

नायरा महोत्सव - 200 के पेट्रोल भरवाने पर लकी ड्रॉ स्कीम में जीती कार

कंपनी के अधिकारियों ने विजेता को सौंपी

बरेली 7 नायरा महोत्सव के दौरान बरेली नायरा पेट्रोल पंप पर 1 अक्टूबर से 22 नवंबर 2023 तक 200 या अधिक के पेट्रोल भरवाने पर लकी ड्रा स्कीम चलाई गई थी जिसमें पूरे भारत में ग्रैंड प्राइस 10 एसयूवी कार थी जिसमे से 1 कार अपने श्रीराम एनर्जीस बरेली में ग्रैंड प्राइज विजेता सुरेश कुमार निवासी धनासरी बरेली की निकली लकी ड्रा कार विजेता को नायरा कंपनी के जोनल मैनेजर शुशांत सिंह, डिविजनल मैनेजर, मनीष पाण्डे, डेप्युटी डिविजनल मैनेजर अनुज केसरी एवं रितेश सोनी, टीएसएम विनय मालाकार के द्वारा कार कंपनी के अधिकारियों और मौजूद जनप्रतिनिधियों द्वारा चाबी दी गई कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामकिशन पटेल,नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत चौधरी,वरिष्ठ भाजपा नेता विट्ठल भूतड़ा, नेपाल सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे पेट्रोल पंप संचालक राघव भूतड़ा ने पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त किया

मेडिकल कॉलेज बनवाने संघर्ष मोर्चा ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सातवें दिन पेंशनर एसोसिएशन ने किया क्रमिक अनशन

छतरपुर। मेडिकल कालेज का शीघ्र निर्माण कराने एवं निर्माण होने तक अविलंब डीन की नियुक्ति कराकर इसी सत्र से कक्षायें प्रारंभ कराने की मांग को लेकर मेडिकल कॉलेज संघर्ष मोर्चा के क्रमिक अनशन के सातवें दिन शुक्रवार को पेंशनर एसोसिएशन के सदस्य धरने पर बैठे। इसके साथ ही कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम इसको लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

मोर्चे के सदस्य हरिप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि छतरपुर में मेडिकल कालेज की मांग के समर्थन में पेंशनर एसोसिएशन के सदस्यों ने आज छत्रसाल चौक पर चल रहे क्रमिक धरना आन्दोलन में भाग लिया। इनमें एसोसिएशन के अध्यक्ष बीपी सिंह, अजय गुप्ता, डा. सुनील शर्मा, एसएस खरे, शंकरलाल सोनी, दिल्लाराम अहिरवार, रामलखन सिंह, पप्पू पाण्डेय, लक्ष्मण सिंह, रामसिंह चंदेल, डीडी कुशवाहा, रामकिशोर गुप्ता, अशोक कुमार सक्सेना, सुनील अवस्थी, जगदीश प्रसाद मिश्रा, आरसी चौरसिया, आरपी राजपूत, नरेन्द्र कुमार जैन शामिल रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता एस एस श्रीवास्तव ने छतरपुर में मेडिकल कालेज निर्माण में देरी पर जबलपुर हाईकोर्ट में दायर की याचिका।

पश्चिम मध्य रेल

सार्वजनिक सूचना

समस्त रेलवे लाईनों तथा परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को जो पश्चिम मध्य रेलवे के निम्नलिखित सेक्शन में उपस्थित है, एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ओवर हेड (सिर के ऊपर, शीर्षस्थ) खींचे गए तारों में 25 के. व्ही. 50 साईकल्स ए.सी. विद्युत प्रवाह नीचे दी गई तारीख को या उसके पश्चात किसी भी समय चालू होगा। उसी तारीख से शीर्षस्थ खींचे गए तारों को सर्वकाल विद्युत प्रवाहयुक्त समझा जाएगा तथा कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कथित शीर्षस्थ लाईनों के आसपास अथवा समीप नहीं आएगा अथवा कोई कार्य करेगा। **सेक्शन का नाम** पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल डिवीजन निशातपुरा सी डब्लू सी साइडिंग क्रॉस ओवर लोके. किमी NSZ 1260E से किमी NSZ 1260P-1 में ओ.एच.ई.का विद्युत प्रवाह हेतु। **किलोमीटर से**-किमी NSZ 1260E, **किलोमीटर तक**-किमी NSZ 1260P-1, 25 के. व्ही. ए.सी. विद्युत प्रवाह **प्रारंभ होने की तारीख**-तारीख 21.04.2023।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (नि) भोपाल

नैकसीन लगवाएं, जीवन के सफर को सुरक्षित बनाएं।

मुस्लिम दलित और महिलाओं से भाजपा को परहेज

सिवनी– भारतीय जनता पार्टी को मुस्लिम दलित और महिलाओं से कितना परहेज है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सिवनी नगर पालिका अंतर्गत दलसागर तलाव सौंदर्य करण फुट ब्रिज निर्माण जिसमें निर्माण एजेंसी भी नगरपालिका है। प्रोटोकॉल के तहत उक्त कार्य के भूमि पूजन के शिला पर नगर पालिका अध्यक्ष सफीक खान उपाध्यक्ष श्रीमती अमित डाली डागोर लोक निर्माण सभापति श्रीमती आकांक्षा शिबू सिंगर स्थानीय वार्ड पार्षद इस इशरत नब्बु का नाम होना प्रोटोकॉल के तहत अनिवार्य था एकिंतु मुख्यमंत्री के केवलारी कार्यक्रम में जो सिवनी नगर पालिका से भूमि पूजा का पत्थर भेजा जा रहा है उसमें इन सभी के नाम गायब हैं। सामाजिक न्याय की सिर्फ बात करने वाली भाजपा मुस्लिमए दलित और महिलाओं के प्रति कितने घृणा करती है कि एप्रोटोकॉल के अंतर्गत भी इन लोगों के नाम अपने साथ लिखने से परहेज कर रही है। यह बही भाजपा है जो कि छोटे.छोटे कामों में इनके संगठन के मंडल अध्यक्ष तक का नाम भूमि पूजन के पत्थरों में लिखा गया है। जब जनता द्वारा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भारतीय जनता पार्टी इस तरह से अपमान कर सकती है ।तो वास्तविकता में इन वर्गों के साथ क्या करती होगी यह कहने की आवश्यकता नहीं है इस कृत्य के लिए भारतीय जनता पार्टी की जितनी निंदा की जाए वह कम है। इस संबंध में लम्बे समय से भाजपा से जुडे ओबीसी महासभा मुख्यसंयोजक ने पत्र लिखकर नाराजगी व्यक्त की है, उन्होंने जिला भाजपा अध्यक्ष पर सीधा आरोप लगाया है कि षडयंत्र के तहत पिछडी जातियों एवं दलित समाज को उपेक्षित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है प्रोटोकाल के तहत क्षेत्रीय निर्वाचित जन प्रतिनिधियो का भूमि पूजन के शिला पर नाम होना अनिवार्य है।

RAJDEEP GLOBAL INSTITUTE OF MANAGEMENT

(APPROVED BY AICTE, NEW DELHI AND AFFILIATED TO BU, BHOPAL)

TUMDA ROAD, NEAR DORAHA JOD, Bhopal - 462030

Mobile-9300817222, 7354209056 Email id : rajdeepglobalinstitute@gmail.com

Web: www.rgim.in

APPOINTMENT

UNDER COLLEGE CODE 28 FOR BBA & B.COM (Computer)

- Director
- Professor
- Associate Professor
- Asst. Professor

Qualification and pay as per AICTE norms and experience. The application with Bio-data should reach the above address or email id within 10 days.

Director
RGIM,Bhopal

कवि सम्मेलन के साथ शहीद मेला का समापन

शिवपुरी -अमर शहीद तात्या टोपे बलिदान दिवस 18 अप्रैल से आयोजित तीन दिवसीय शहीद मेले का तीसरे दिन कवि सम्मेलन के साथ समापन हो गया। कवि सम्मेलन में कवियों के काव्य पाठ को श्रोताओं ने काफी सराहा।

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि इंजी. अवधेश सक्सेना अवधेश ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंच संचालन आदित्य शिवपुरी ने किया।

कवि सम्मेलन में वरिष्ठ साहित्यकार कवि इंजी. अवधेश सक्सेना 'अवधेश', वरिष्ठ साहित्यकार नाटककार दिनेश वशिष्ठ, राजकुमार चौहान भारतीय, अजय जैन अविराम, शरद गोस्वामी शिखर, अजय गौतम, सौरभ तिवारी सरस (करेरा) एवं आदित्य शिवपुरी ने रचना पाठ किया।

अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुए अवधेश ने ग़ज़ल सुनाई वतन के वास्ते जो हो उसे ही प्यार मानूंगा, शहीदों के शहादत दिन बड़े त्योहार मानूंगा। दिनेश वशिष्ठ की पंक्तियां देखें सुकुने दिल की तबाही से हिफाजत करना, कभी किसी से तहे दिल से प्यार मत करना, राजकुमार चौहान की हास्य रचना थी कांधे पर लट्ठ धरो भैय्या, अजय जैन अविराम की प्रस्तुति देखिए देकर साँसे, बलिदान विधि से बना तिरंगा। करें प्रथम, बस देश नमन, गहें तिरंगा। शरद गोस्वामी ने सुनाया फकत इतनी कहानी है ये दिल हिन्दुस्तानी है, मेरी हर सांस में भारत मेरे एहसास में भारत मेरे पुरखों की भारत में बड़ी लंबी कहानी है। अजय गौतम एडवोकेट ने तिरंगे की शान में अपनी रचना सुनाई मैं तिरंगा हूं, रक्त सिंधु मेरे आंचल में रोज उफनते हैं, मेरी छाया में सोने को सिंह मचलते हैं।

सौरभ तिवारी सरस की पंक्तियां थीं गीत का कर आचमन, सब शब्द सुन्दर हो गए, कोष के छोटे सरोवर, ज्यूँ समन्दर हो गए। मंच संचालन कर रहे आदित्य शिवपुरी ने शेर सुनाए ताब उनकी जला भी सकती है, किससे नज़रें मिला रहा हूं मैं, इससे पहले नहीं सुना होगा, ये जो क़िस्सा सुना रहा हूं मैं।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी वीरेंद्र धाकड़ एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी सौरभ गौड़ ने कवियों का सम्मान किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिक विभाग (मुख्यालय) गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल.)

निविदा आमंत्रण घोषणा - पत्र

क्रं./यां.वि. / 2023 भोपाल, दिनांक /04/2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती है।

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1	2023_UAD_264255_2	ASPHALTING OF ROAD FROM KUBER DAIRY TO CHANI TILES SONAGIRI C- SECTOR (NEAR PUSHP VATIKA) W-64 Z-15 SECOND CALL	3479592/-	26097/-	5000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021
2	2023_UAD_264248_2	ASPHALTING OF ROAD WORK FROMDK TOWER FROM SATNAMI NAGAR W-66 Z-15 SECOND CALL	36,12,825/-	27,096/-	5000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/ 2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M.(time) 20.04.2023 (date) to 17:30 P.M. (time) 04.05.2023 (date). 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper. 4. For special condition pleas read carefully section 3 condition of contract part-II special condition of contract (SCC).The initial period of 05(FIVE) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP).

नि. क्रं. 29/023/024

Executive Engineer
MUNICIPALCORPORATION BHOPAL District BHOPAL

कर्नाटक के गंगावती कोप्पल में कांग्रेस के उम्मीदवार का नामांकन भरने के लिए निकाली गई रैली। इसमें प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। वे वहां पर्यवेक्षक बनाकर भेजे गए हैं।

जनजातीय कार्य मंत्री ने प्रतिमा का किया अनावरण

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह ने उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पड़खुरी मे संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए संकल्पित है। समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, सरकार गरीब परिवारों को आवास, आवासीय भू-खण्ड, जल जीवन मिशन में हर घर में नल से जल पहुँचाने तथा सस्ते दर पर उचित मूल्य की दुकानों से अनाज उपलब्ध करा रही है। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की सुविधा, मछुआरों को क्रेडिट कार्ड, किसानों से समर्थन मूल्य पर अनाज उपार्जन, बच्चों की पढ़ाई को सुगम बनाने के लिए गणवेष, मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, छात्रावासों की सुविधा तथा मेधावी छात्रों को कोचिंग की व्यवस्था कर रही है।

स्वच्छता के क्षेत्र में फिर से नम्बर-1 पर रहे मध्यप्रदेश : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने ली स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 की तैयारियों की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश में स्वच्छता सर्वेक्षण फिर से प्रारंभ होगा। प्रदेश स्वच्छता में नम्बर-1 पर ही रहना चाहिए। प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में नया रिकार्ड बनाया है। ऐसा ही कीर्तिमान फिर से कायम रखा जाये। स्वच्छता सर्वेक्षण की पूरी तैयारी कर ली जाये। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 की तैयारियों के संबंध में समस्त कमिश्नर एवं कलेक्टर्स से वर्चुअली चर्चा कर रहे थे। नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता प्रदेश के लिए अति आवश्यक है। कमिश्नर-कलेक्टर जनता को साथ लेकर शहरों की रैंकिंग सुधारने में जुट जायें। लोगों में स्वच्छता केलिए प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा हो। अपने शहर को सर्वश्रेष्ठ बनाने की कोशिश करें। शहरों को ओडीएफ बनाने के प्रयास हों। नगरीय निकायों को कचरा मुक्त कर स्टार रेटिंग दिलाने की कोशिश की जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में 24ङ्क7 सफाई की सुविधाएँ चाक-चौबंद रहें और कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाएँ भी हों। स्थानीय जन-प्रतिनिधि और युवाओं को स्वच्छता के कार्य में जोड़ें। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता के लिए 1 मई से जमीनी सर्वेक्षण प्रारंभ होगा। प्रदेश में 23 अप्रैल से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जायेगा। शहरों में वर्ष भर स्वच्छता बनी रहे। इसके लिये स्वच्छता के लिए मेहनत से जुटें और नवाचार भी करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुनः सीएम जन-सेवा अभियान चलाया जाकर जनता की समस्याओं का तेजी से निराकरण किया जायेगा।

पेयजल के लिए पुख्ता इंतजाम करें: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ग्रीष्मकाल में पेयजल के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। जनता की शिकायत आने पर तत्काल निराकरण की कार्यवाही हो। पानी की समुचित व्यवस्थाएँ बनी रहें। प्रशासन द्वारा की जाने वाली पेयजल व्यवस्थाओं की जानकारी जनता को भी दी जाये। जनता को जागरूक करें, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा न हो। विभाग में उपलब्ध सामग्री एवं तैयारी से अवगत कराया जाये। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, नगरीयविकास एवं आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पेयजल समस्याओं के निराकरण से लोग संतुष्ट हों। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बेहतर कार्य करके दिखाया जाए। स्वास्थ्य और बिजली संबंधी व्यवस्थाएँ भी दुरूस्त रहें। ग्रीष्मकाल में बिजली की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न न हो।

चिकित्सा प्रबंधन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग : आलोक संजर

कोविड ने परिस्थितियों से जूझना सिखाया, अब समग्र स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जरूरत: डॉ लता

समग्र स्वास्थ्य देखभाल पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्व सांसद भोपाल आलोक संजर ने कहा है कि चिकित्सा प्रबंधन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। श्री संजर नेहरू नगर स्थिति मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में विंध्या शिक्षा एवं प्रचार समिति द्वारा समग्र स्वास्थ्य देखभाल पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भोज विश्व विद्यालय के कुलपति संजय तिवारी और मप्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के महानिदेशक अनिल कोठारी उपस्थित थे।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए श्री संजर ने कहा कि स्वस्थ रहते हुए ही मनुष्य निजी और सार्वजनिक हर तरह के कार्य कर पाता है, यह सबको मालूम है। परंतु इसका महत्व तभी समझ में आता है जब जीवन में व्यवधान का सामना करना पड़ता है। तब हम स्वास्थ्य को लेकर सचेत हो जाते हैं। कोविड महामारी के दौर में यह बात सबने अनुभव की । कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए महानिदेशक मप्र साइंस एंड टेक्नोलॉजी संस्थान अनिल कोठारी ने कहा कि स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य की उलझन नई नहीं है और स्वास्थ्य रक्षा के उपायों को लेकर प्रत्येक समाज उपचार या चिकित्सा के समाधान ढूंढता रहा है। इसके लिए मप्र साइंस एंड टेक्नोलॉजी संस्थान ने कोविड समय में बहुत महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।इस तथ्य के बावजूद कि ऐतिहासिक रूप से विभिन्न ज्ञान परम्पराओं और भिन्न-भिन्न सांस्कृतिक संदर्भों में पनपने वाली विभिन्न उपचार प्रणालियों का सुदीर्घ काल से समानांतर अस्तित्व रहा है, आज वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने वाली जैव चिकित्सा या एलोपैथी का उपयोग प्रमुखता से स्वीकृत और प्रधान हो चुकी है। यह स्थिति चिकित्सकीय ज्ञान की वास्तविकता को खंडित रूप से देखती और प्रस्तुत करती है। श्री आलोक जी ने कहा कि समग्र स्वास्थ्य की दृष्टि से देखभाल करने में व्यक्ति या जन-केंद्रित देखभाल प्रणाली शामिल होती है जो मन, शरीर और आत्मा को संबोधित करने वाली तरकीबों को भलीभांति एकीकृत करती है। संपूर्ण व्यक्ति और भागीदारी इसमें प्रमुख नियामक होते हैं।

कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की आयोजिका एवं विंध्या शिक्षा एवं प्रचार समिति की अध्यक्ष डॉ आर एच लता ने कहा कि आज हमारा देश वोकल फार लोकल से प्रारंभ होकर जी-20 पर पहुंच गया है। यह गर्व करने का मौका हमे हमारे देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री ने दिया है। हर विषय को विश्व पटल पर सम्मान से रखने का कार्य उन्होंने किया जिसमें योग और स्वास्थ्य सेवाएं भी हैं। आज हम पुनः सब स्वास्थ्य की चिंता को लेकर यहां एकत्रित हुए हैं। वह भी होलेस्टिक हेल्थ केयर को लेकर। क्या है होलेस्टिक हेल्थ केयर। एक तन मन से स्वस्थ शरीर, पर कहना नहीं चाहिए, वास्तविकता यह है कि मनुष्य सर्वाधिक स्वार्थी प्रजाति होती है । ईश्वर ने प्रकृति का, जीव जंतुओं का निर्माण किया, इसके बाद सब कुछ मनुष्य निर्मित है । हर एक संकट के समय इंसान हाथ फैलाए ईश्वर की शरण में पहुंच जाता है, लेकिन हम उसकी बनाई प्रकृति की रक्षा नहीं कर सकते। स्वस्थ शरीर की रक्षा नहीं कर सकते , विकास के नाम पर विनाश की लीला खेलते रहते . मशीनों पर आधारित जीवन , कृत्रिम भोजन एवं भौतिक सुखों से युक्त जीवनशैली जीने लगे हैं। लेकिन जो कुछ कोरोनावायरस ने दुनिया को दिखाया है उसके बाद अब फिर से लोगों को प्रकृति की याद आने लगी है। डॉ लता ने कहा कि केक, बर्गर, पिज्जा, कोल्डड्रिंक, शराब, मांस इत्यादि से शरीर को बीमारियों का अड्डा बना लेने के बाद अब हम इम्युनिटी के लिए आमला, गिलोय, हल्दी, काढ़ा, ऑक्सीजन के लिए प्राणायाम याद करने लगे हैं। सचमुच मनुष्य अवसरवादी होता है। उन्होंने कहा कि जब तक इसके स्तर पर बदलाव नहीं होंगे शरीर की इम्युनिटी कभी काम नहीं कर।

डॉ लता ने कहा कि मैं सर्वप्रथम आहवान करती हूं उन घरेलू बहनों को जो सिर्फ गृहणी है। वह ऐसे प्रशिक्षण वो जरुर प्राप्त करें। स्वयं का ख्याल रखें साथ ही अपने समाज का भी। समाज से मतलब भीड़ नहीं, वह हमारे पड़ोसी, हमारे परिचित हो सकते हैं। हमारी संस्था के द्वारा कोविड समय में जो कार्य किए गए, उससे ही यह प्रेरणा मिली कि देश को ऐसे होलेस्टिक हेल्थ केयर टेकर की श्रंखला तैयार करने की बहुत आवश्यकता है और यह कार्य विंध्य शिक्षा प्रचार समिति करने को तत्पर है।

महानगरों की तरह अत्याधुनिक बनेगा सुरखी का बस स्टैण्ड

हर पात्र हितग्राही का होगा पक्का मकान: गोविंद सिंह राजपूत

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में हजारों करोड़ के विकास कार्य चल रहे हैं जो सुरखी के विकास के साक्षी हैं और यह विकास रथ इसी तरह निरंतर चलता रहेगा यह बात राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी में पीएम आवास के हितग्राहियों के खाते में किश्त जमा करने के अवसर पर कही। श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सोच है कि एक भी पात्र हितग्राही बिना आवास के नहीं रहेगा। 1 हजार लोगों के खाते में आवास की राशि डाली गई है और अन्य जो लोग ऐसे रह गये है जिनका आवास में नाम नहीं आया या किश्त नहीं आई वह लोग चिंता ना करें जल्द ही उनके खाते में भी पैसे डाल दिये जायेंगे। वर्ष 2024 तक हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र हितग्राही का पक्का मकान बनाया जाये। श्री राजपूत ने कहा कि 2 महीने में फिर से हितग्राहियों के खाते में पीएम आवास की राशि जमा की जायेगी। कार्यक्रम में राजस्व एवं परिवहन मंत्री द्वारा यात्री प्रतीक्षालय, सेल्फी प्वाईंट एवं फोरलाईन पर करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। श्री राजपूत ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुये कहा कि सुरखी में राजस्व के अधिकारियों के लिये भवन निर्माण हो गया है जिसमें राजस्व के अधिकारी अब 24 घंटे क्षेत्रवासियों के लिये उपलब्ध रहेंगे ताकि अपने कामों के लिये क्षेत्रवासियों के लिये सागर ना जाना पढ़े साथ ही सुरखी में बस स्टैण्ड के लिये 2 करोड़ स्वीकृत किये गये है जिससे सुरखी में अत्याधुनिक महानगरों जैसा बस स्टैण्ड बनाया जायेगा। श्री राजपूत ने कहा कि पैसे की कोई कमी नहीं है विकास कार्यों में पैसे को लेकर कोई चिंता ना करें। इस अवसर पर सुरखी नगर परिषद अध्यक्ष सीता ओमकार सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष बहादुर सिंह ठाकुर, सरमन सिंह, अरूण गौतम, कमलेश पांडेय, विजय बरकोटी, दिनेश मिश्रा, टीकाराम चौबे सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेता तथा क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडियों की कार्य-प्रणाली में प्रक्रियात्मक सुधार के लिये समिति गठित

भोपाल। राज्य शासन ने प्रदेश की कृषि उपज मंडियों की कार्यप्रणाली में प्रक्रियात्मक सुधार के लिये मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनिम, 1972 में संशोधन के लिए सुझाव एवं अनुशंसा प्रस्तुत करने के लिये समिति गठित की है। कृषि उपज विपणन के वर्तमान परिदृश्य और डिजिटलाइजेशन के कारण में सुधार आवश्यक हैं। समिति में अवर सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास आर.के. गणेशे, संयुक्त संचालक राज्य कृषि विपणन बोर्ड आर.पी. चक्रवर्ती, सहायक संचालक राज्य कृषि विपणन बोर्ड पीयूष शर्मा, संयुक्त संचालक राज्य कृषि विपणन बोर्ड अविनाश पाठे, सहायक संचालक/सचिव कृषि उपज मंडी करूणेश तिवारी और कृषक प्रतिनिधि कैलाश सिंह ठाकुर एवं अरूण कुमार सोनी को रखा गया है। समिति द्वारा विषयवस्तु पर विचार कर 6 माह की अवधि में सुझाव एवं अनुशंसा प्रस्तुत की जाएगी।

पुलिस ड्रग्स माफिया पर सख्त, उज्जैन जोन में 11 तस्करों को किया जेल में बंद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले ड्रग्स माफ्रियाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हाल ही में पुलिस ने सख्त कार्रवाई कर उज्जैन जोन में मादक पदार्थों के 11 तस्करों को केन्द्रीय जेल में निरूद्ध किया है। मादक पदार्थों के उत्पादनए व्यवसाय एवं तस्करी में लगातार सक्रिय रहने वालों की अब खैर नहीं है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार नार्को ड्रग्स से संबंधित माफ्रियाओं के विरुद्ध व्यापक और कठोर कार्यवाही करने के उद्देश्य से उज्जैन जोन के जिलों में पुलिस द्वारा विस्तृत डेटा बेस तैयार कर उनका विश्लेषण किया जा रहा है और ड्रग्स माफ्रियाओं व तस्करों के विरुद्ध कारगर कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्रीचौहान ने मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी में संलिप्त अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाया जा रहा अंकुश: मप्र पुलिस ने उज्जैन जोन के मंदसौरए नीमच एवं उज्जैन में कार्रवाई करते हुए पीआईटी.एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मादक पदार्थों के 11 तस्करों को केन्द्रीय जेल में निरूद्ध किया है। इस कार्रवाई के दौरान उज्जैन से कालूए चीलम व जुबेरए मंदसौर से शानू लालाए जाउद्दीनए खानशेर व आसिफलाला और नीमच से गोपालए मुमताजए रहीस एवं हुसैन को इंदौर सेंट्रल जेल में लंबे समय के लिए निरुद्ध किया गया है। इन तस्करों के संपर्क अन्य राज्यों में भी पाए गये हैं। मप्र पुलिस द्वारा इन सभी आरोपियों की अवैध सम्पत्ति की जानकारी भी एकत्र की जा रही है ताकि इनके द्वारा अंजाम दी जा रही विभिन्न अवैध गतिविधियों पर सदा के लिए अंकुश लगाया जा सके।

जनता को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए मप्र पुलिस प्रतिबद्ध: अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर समाज के नवयुवकों व आम जनता को नशे के लिए प्रेरित करने वाले ड्रग्स तस्कर एवं उनके सिंडिकेट के नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है और आमजन को एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

41 खाद्य प्रतिष्ठानों से अमानक पाए जाने पर 8.66 लाख का जुर्माना

भोपाल । मिलावट से मुक्ति अभियान के अन्तर्गत कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार खाद सुरक्षा प्रशासन के द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की अवहेलना को रोकना और नियंत्रित करना है। इस अभियान के अंतर्गत, खाद में मिलावट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। खाद सुरक्षा प्रशासन अधिकारी कुल आठ लाख छियासठ हजार जुर्माना अधिरोपित करने के माध्यम से खाद में मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। इस अभियान से संबंधित निर्देशों को लागू करने के लिए न्याय निर्णायक अधिकारी (एडीएम) हरेन्द्र नारायण द्वारा 41 प्रकरणों में निर्णय पारित किए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि खाद सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 का पालन किया जाए और लोगों को मिलावट से मुक्त खाद मिलता है। पारित निर्णयों में आनंद मावा भण्डार, मंगलवारा के मालिक सुमित जैन पर अवमानक मावा के विक्रय के आरोप में एक लाख रूपये, अजनार एग्रो फूड प्रोसेसिंग प्रा. लि. ब्यावरा के पार्टनर महेश कुमार दांगी के विरूद्ध अवमानक पनीर विक्रय करने के आरोप में पचास हजार काका इंटरप्राइजेस शिवनगर, भोपाल के मालिक नंदलाल टेकवानी के विरूद्ध खुले एवं अवमानक मसाले विक्रय करने के आरोप पचास हजार लालचंद ट्रेडर्स, घोड़ा नक्कास के मालिक गिरीश छावड़ा के विरूद्ध मिथ्याछाप मखाना एवं अवमानक काली मिर्च के विक्रय के आरोप में पचास हजार होटल अतिशय, एम.पी. नगर के मैनेजर संजीव मेहता के विरूद्ध अवमानक पनीर एवं काजू के उपयोग के आरोप में कुल सत्तर हजार रूपये, आदिनाथ ट्रेडर्स, रायसेन रोड़ के मालिक विशाल जैन के विरूद्ध अवमानक सौंफ के विक्रय के आरोप में पचास हजार रूपये का जुर्माना शामिल है।

एम्स में शिशुगृह की सुविधा, किलकारी का लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक द्वारा एम्स भोपाल में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों के लिए शिशुगृह की सुविधा - किलकारी लोकार्पण किया गया । इस अवसर पर कर्नल डॉ. अजीत कुमार, उप निदेशक (प्रशासन), प्रो. (डॉ) अरनीत अरोरा, अध्यक्ष, शिशुगृह समिति, डॉ. बबीता रघुवंशी, उपचिकित्सा अधीक्षक सहित शिशुगृह समिति के अन्य सदस्य, इंजीनियरिंग अनुभाग तथा संस्थान के संकाय सदस्य, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी और संस्थान के आवासीय परिसर के निवासी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वल्पाहार एवं मिष्ठान वितरण भी किया गया।

आवासीय परिसर के टाइप ढ्ढङ्क क्वार्टर में भूतल पर स्थित आवास संख्या 4001, में यह सुविधा प्रारंभ की गई है। यहां पर कर्मचारियों के लिए ड्यूटी के दौरान अपने छोटे बच्चों की देखभाल के लिए एक सुरक्षित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। इस शिशुगृह में 1 वर्ष से लेकर 5 वर्ष

तक के बच्चों के लिए खेलने, भोजन करने और शयनकक्ष की सुविधा उपलब्ध है। शिशुगृह समिति द्वारा पालन किए जाने वाले आवश्यक नियमों के साथ पंजीयन हेतु एक फॉर्म तैयार किया गया है। संस्थान में कार्यरत कोई भी कर्मचारी इस सुविधा का लाभ उठा सकता है । यह शिशुगृह सभी सुविधाओं से सुसज्जित है और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे बच्चों के अनुकूल बनाया गया है। इस सुविधा का लाभ उठाने वाले बच्चों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भोजन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यह पदस्थ कर्मचारियों को दो सप्ताह पूर्व प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है।

एम्स के पुस्तकालय में ग्रामरली फॉर एजुकेशन सेवा प्रारंभ

भोपाल। एम्स के डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुस्तकालय में दिनांक 20 अप्रैल 2023 को ग्रामरली फॉर एजुकेशन सेवा की शुरुआत की गई। जिसका शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कार्यपालक निदेशक, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के द्वारा किया गया। यह सेवा शोध कार्यों में प्रयोग होने वाले अंग्रेजी ग्रामर को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने में उपयोगी है। जिसका लाभ संस्थान के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के शोध एवं दैनिक कार्यों में होगा। इस कार्यक्रम में एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, अध्यक्ष एवं सदस्य पुस्तकालय समिति तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में ग्लूकोमा मरीजों के उपचार के लिए विजुअल फील्ड मशीन का लोकार्पण

भोपाल। ग्लूकोमा दुनिया भर में अंधेपन का एक प्रमुख कारण है और रोगी पूरी तरह से अंधेपन का शिकार होने तक दृष्टि को होने वाले क्रमिक नुकसान से अनजान रहता है। विजुअल फील्ड एनॉलाइजर मशीन नेत्र विज्ञान सेवाओं और विशेषकर ग्लूकोमा रोगियों के निदान और उनके उपचार के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक और सीईओ, एम्स भोपाल द्वारा नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल में रोगियों के लिए हम्फ्री फील्ड एनालाइज़र का लोकार्पण किया गया। प्रोफेसर भावना शर्मा, विभागाध्यक्ष नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा कार्यपालक निदेशक को मशीन की विशिष्टताओं और यह एम्स भोपाल आने वाले मरीजों को होने वाले लाभ से अवगत कराया गया। यह डायग्नोस्टिक मशीन %लिक्विड लेंस तकनीक% से युक्त एक आधुनिक मशीन है जो ऑपरेशन करते समय चश्में में सुधार की आवश्यकता को कम करती है।

पीजी कालेज छात्रा प्रीति करपे बनी अध्यक्ष

छिंदवाड़ा । नगर एन.एस.यू.आई. छिंदवाड़ा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, पी.जी. कालेज सांसद प्रतिनिधि विश्वेन्द्र सिंह और जिला एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर की अनुशंसा पर युवाओं को एकजुट करने एवं प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में कमलनाथ को पुन: मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेकर नगर एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष समर्थ मैद द्वारा पी.जी. कालेज की कार्यकारिणी का गठन करते हुये पी.जी. कालेज छात्रा अध्यक्ष प्रीति करपे, कार्यवाहक अध्यक्ष करीना उइके, उपाध्यक्ष शालिनी मरावी, अंजुला यादव, सुमायला अली, महासचिव दिव्या भारती, सचिव शिवम अमोदिया, मंत्री ऋषिका बंदेवार, महामंत्री महिमा बोण्डे, पी.जी. कालेज आई.टी. सेल के अध्यक्ष पद पर विकास डेहरिया, उपाध्यक्ष हर्ष नागवंशी, कार्यवाहक अध्यक्ष कासिम अली, महामंत्री निखिल आहके, महासचिव हिमांशु बंदेवार, मंत्री अरूण यदुवंशी, पुरूषोत्तम यदुवंशी एवं सावन पहाड़े की सचिव के पद पर नियुक्ति की गई । इस अवसर पर जिला एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि विश्वेन्द्र सिंह बैस, नगर अध्यक्ष समर्थ मैद, नगर कार्यवाहक अध्यक्ष पीयूष शर्मा, पी.जी. कालेज अध्यक्ष सूरज बिहारे, नगर महामंत्री सत्येन्द्र अहिरवार सहित समस्त कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थी ।

स्कूल के पास तम्बाकू बेचने पर कार्यवाही

संयुक्त कार्यवाही में पांच दुकानों पर किया जुर्माना

छिंदवाड़ा । कलेक्टर शीतला पटले के आदेश पर निगमायुक्त राहुल सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिक निगम एवं पुलिस विभाग ने तम्बाकू का व्यापार करने वालों पर कार्यवाही की। इसके अंतर्गत कोटपा (तंबाकू नियंत्रण) अधिनियम की धारा 6 ब, जिसमें समस्त शैक्षणिक संस्थाओं, महाविद्यालयों के 100 गज की दूरी तक तम्बाकू उत्पादों को बेचने पर प्रतिबंध है। इसके तहत 4 दुकानदारों पर जुर्माने की कार्यवाही की है। यह कार्यवाही हाई स्कूल लोनिया करबल परासिया रोड के समीप की गई। इन दुकारदारों को लाइसेंस के अनुरूप सामान बेचने तथा भविष्य में तंबाकू का विक्रय नहीं करने की हिदायद दी गई। इन दुकानदारों पर 700 /- रुपए का जुर्माना किया गया। इस कार्यवाही में जिला मीडिया अधिकारी डॉ प्रमोद वासनिक, निगम राजस्व अधिकारी साजिद खान, वार्ड प्रभारी शेखर पटेल, अमित सारवान, ट्रेड लाइसेंस प्रभारी ऋषभ स्थापक एवं दुर्गेश रघुवंशी उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा जिला कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

छिंदवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती माया नरोलिया एवं भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सहमति एवं अनुशंसा पर भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतिक दामोदर ने महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जिसमें जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा लाडे, श्रीमती अमिता बरैया, मंत्री श्रीमती संध्या चौरसिया, श्रीमती सपना सोनी, मीडिया प्रभारी श्रीमती सोनम डेहरिया, कार्यालय मंत्री श्रीमती श्रद्धा जैन, कार्यकारिणी सदस्य में श्रीमती स्वाति सूर्यवंशी, श्रीमती अरूणा विश्वकर्मा, श्रीमती सोनम जैन, श्रीमती नीता सेन, श्रीमती बबीता निर्मलकर, श्रीमती ज्योति मेसराम, श्रीमती रूकमणी डिगरसे, नीता बोकड़े को नियुक्त किया

श्रीअन्न का महत्व पर पोस्टर निर्माण एव प्रश्न मंच प्रतियोगिता

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिन्दवाड़ा की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अस्मिता मुंजे के मार्गदर्शन में आज दिनांक 21.04.2023 को यू.एन. ओ. के आई. वाय. एम. 2023 के संदर्भ में श्री अन्न का महत्व / उपयोगिता विषय पर पोस्टर निर्माण व प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम व प्रतियोगिता का संचालन डॉ. नीलिमा बागड़े ने छात्राओं को श्री अन्न का महत्व समझाते हुए मोटे अनाज के उपयोग हेतु प्रेरित किया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जया कहार व संध्या जैन रही। द्वितीय स्थान पर मुस्कान यादव व तृतीय स्थान पर राखी पाल रही। इसी प्रकार प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पूजा चरपे रही द्वितीय स्थान पर सोनम अहिरवार, रानी चौरिया व तृतीय स्थान पर खुशबू चौरिया रही।

ईदुलफित्र त्यौहार

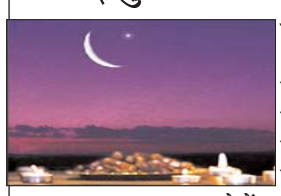

छिंदवाड़ा । अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी छिंदवाड़ा की जानिब से जिले की समस्त अवाम को मुबारकबाद, आप तमाम लोगों सूचित किया जाता है कि ईदुलफित्र का चॉद नजर आ गया है लिहाजा आज बरोज शनिचर को ईदुलफित्र का त्यौहार मनाया जायेगा। ईदुलफित्र की नमाज जामा मस्जिद और नूरी मस्जिद में सुबह ठीक 7.30 बजे, बड़े ईदगाह में सुबह 8 बजे, छोटी ईदगाह में सुबह 8.30 बजे और रिसाला मस्जिद में सुबह ठीक 9 बजे अदा की जायेगी। अंजुमन सदर निशादउद्दीन खान(रूमी पटेल) साहब ने अवाम से गुजारिश की है कि वक्त का ख्याल रखे और ईदुफित्र की नमाज में शिरकत फरमाए।

गर्भवती महिला की साड़ी के पल्लू से गला घोंटकर हत्या

महिला की नही हुई शिनाख्त, पुलिस कर आरोपी की तलाश

छिंदवाड़ा । लावाघोघरी थाना के अंतर्गत एक गर्भवती महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई महिला की गलाघोंटकर हत्या की गई है महिला कहां की है पुलिस इसका पता लगा रही है । प्राप्त जानकारी के अनुसार लावाघोघरी थाना के अंतर्गत ग्राम मेहलारी के जंगल में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई सुबह ग्रामीणों ने पुलिस का इसकी जानकारी दी इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया पुलिस के मुताबिक जिस महिला का शव मिला है उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। महिला की उम्र 35 से 40 वर्ष के करीब की है। महिला गर्भवती है और उसके सिर और हाथ पैर

में चोट के निशान हैं जिससे प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। फिलहाल पुलिस आसपास के थानों में महिला की शिनाख्त कराने के लिए संपर्क कर चुकी है। लेकिन अभी तक कोई शिनाख्त नहीं हो पाई है।

हत्या कर शव फेंका गया

लावाघोघरी थाना के टीआई रामजू उईके ने बताया कि महिला के शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं और महिला की हत्या कर उसे फेंका गया है। उन्होने बताया कि महिला को साड़ी के पल्लू से गला घोंट कर मारा गया है। लाश दो दिन पुरानी है। पुलिस को मौका ए वारदात से साक्ष्य मिले हैं जिसको लेकर आसपास के गांव में सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

350 विद्यार्थियों ने कत्थक कार्यशाला में शिरकत की

छिंदवाड़ा । केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 में कत्थक कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में लगभग 350 विद्यार्थियों ने अपने संगीत शिक्षिकाओं श्रीमती जूली सिंधई तथा शैलजा डेहरिया के साथ शिरकत की मुख्य-अतिथि छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा ने कला, संस्कृति और विरासत के बीज बोने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की मुक्त कंठ सराहना की कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय प्राचार्य हरि प्रसाद धारकर ने कत्थक को परंपरा और विरासत का अमूल्य हिस्सा बताते हुए इसे जीवन विन्यास की कला के रूप में निरुपित किया ये कार्यशालाएं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देश और मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही हैं कार्यशाला योजना, संचालन और प्रशिक्षण का दायित्व जबलपुर की कत्थक कलाकार सुश्री आर्या सेन द्वारा नितिन कुमार एवं मनीष कुमार के सहयोग से संपन्न किया गया, जिन्होंने फाग नृत्य की आभा में राधा-कृष्ण की छवि को माधुर्य और सौन्दर्य का निमायक-नियंता निरुपित करते हुए विद्यार्थियों को प्रदर्शनकारी कलाओं में कत्थक की समझ विकसित करने में मदद की कार्यक्रम का संचालन संस्कृत शिक्षिका श्रीमती निशा यादव ने अपने विद्यार्थियों कु. तन्वी धारकर एवं सिद्दिदा दुबे कक्षा दसवीं के सहयोग से संपन्न किया ।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा मंडल कार्यकारिणी घोषित

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू की अनुशंसा पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष बीरपाल इवनाती, छिंदवाड़ा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संतकुमार यदुवंशी, मंडल प्रभारी संतोष पटेल, जिला सहकार्यालय मंत्री दिनेशकांत मालवीय की सहमति से भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा छिंदवाड़ा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनोद अहाके ने छिंदवाड़ा ग्रामीण मंडल भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की मंडल कार्यकारिणी घोषित की जिसमें उपाध्यक्ष सेवाराम सल्लाम, इंदर भारती, शशि कुमरे, अभिषेक मर्सकोले, सुरेश सल्लाम, गोविंद युवनाती, दशरथ धुर्वे, महामंत्री प्रदीप काकोड़िया, रविन्द्र सरेयाम, मंत्री पंकज काकोड़िया, आशाराम काकोड़िया, राजा सनिया, अरविंद भटोरिया, दिनेश सरेयाम, पवन धुर्वे, कोषाध्यक्ष अधिकार सल्लाम, सहकोषाध्यक्ष शिवकुमार धुर्वे, कार्यालय मंत्री रघुनाथ उइके, सहकार्यालय मंत्री दुर्गेश तिरगाम, सोशल मीडिया विक्की धुर्वे, सहसोशल मीडिया कन्हैया मर्सकोले, प्रमोद बंटी, मंडल कार्यकारिणी सदस्य अजेश भारती, विक्रम भारती, जयसिंग भारती, दीपक भारती, विकास भारती, राहूल भारती, अभिषेक भारती, बबलू मर्सकोले, सदस्य नियुक्त हुए ।

वार्ड नंबर 9 महापौर आपके द्वार कार्यक्रम में पहुँचे

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिंदवाड़ा जिले के लाड़ले सांसद नकुलनाथ की मंशानुसार छिंदवाड़ा की शहर सरकार महापौर विक्रम अहके के नेतृत्व में प्रत्येक वार्डो में पहुँच कर वार्डवासियों की समस्यायों से रूबरू होकर यथास्थान पर तत्काल कार्यवाही कर निराकरण करते हुए आम जनमानस का ध्यान आकर्षण कर रही है एवं वार्डो में निर्माणाधीन विकास कार्यो का निरीक्षण कर छिंदवाड़ा शहर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है छिंदवाड़ा को साफ़, सुंदर एवं स्वच्छ बनाने हेतु महापौर लगातार कभी साईकल से तो कभी अपने दुपहिया वाहन से साफ़-सफ़ाई का जायज़ा लेंने हेतु औचक निरीक्षण कर रहे है जिसका परिणाम है कि छिंदवाड़ा शहर के प्रत्येक वार्डो में युद्ध स्तर पर साफ-सफाई एवं स्वच्छता का काम स्थानीय पार्षदगण के सहयोग से किया जा रहा है इसी तारतम्य में आज वार्ड क्रमांक 10 चौखड़ा में आज महापौर जी सुबह सुबह पहुँचे जहाँ उन्होंने वार्डवासियों से शहर के विकास हेतु परिचर्चा की एवं उनकी समस्याओं को सुनते हुए तत्काल सम्बन्धित से बात कर समाधान किया एवं छिंदवाड़ा को स्वच्छ सर्वेक्षण सर्वे 2023 में 5 स्टार रैंकिंग में छिंदवाड़ा को प्रथम स्थान पर लाने हेतु सभी को सहयोग करने अपील की जहाँ साथ मे स्थानीय पार्षद लीना तिरगाम, जलप्रदाय सभापति प्रमोद शर्मा, लोकनिर्माण सभापति नमिता मनोज सक्सेना, दीपक यादव , अशोक वर्मा, अशोक पटेल, धीरज राऊत जी, आशीष सलामे जी सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

आज आयेंगे कमलनाथ एवं नकुलनाथ

तीन दिवसीय होगा दौरा कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा । अपने तीन दिवसीय छिन्दवाड़ा प्रवास पर आगमन उपरांत जिले के सांसद नकुलनाथ चौरई ब्लॉक के ग्राम लोनीबर्रा में स्थित यज्ञ सम्राट कनक बिहारी जी महाराज के आश्रम पहुंचकर नतमस्तक होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद श्री नकुलनाथ का तीन दिवसीय प्रवास पर 22 अप्रैल को छिन्दवाड़ा आगमन होगा, नेताद्वय आगामी 24 अप्रैल तक छिन्दवाड़ा प्रवास पर रहेंगे। जिले के सांसद नकुलनाथ का दिनांक 22 अप्रैल को प्रात: 11 बजे विशेष वायुयान से छिन्दवाड़ा आगमन होगा। दोपहर 1.40 बजे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का हेलीकॉप्टर द्वारा हर्रई ब्लॉक के ग्राम गंगई में आगमन होगा। आगमन उपरांत आयोजित कार्यक्रम सम्मिलित होने के पश्चात दोपहर 1.55 बजे शिकारपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। दोपहर 2.10 बजे उनका शिकारपुर आगमन होगा। आगमन उपरांत पूर्व सीएम श्री कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे, जबकि सांसद नकुलनाथ हेलीकॉप्टर द्वारा दोपहर 3 बजे छिन्दवाड़ा ब्लॉक के ग्राम नेर के लिये प्रस्थान करेंगे, उनका दोपहर 3.15 बजे नेर आगमन होगा तदोपरांत नकुलनाथ दोपहर 3.35 बजे चौरई ब्लॉक के ग्राम लोनीबर्रा के लिये प्रस्थान करेंगे जहां वे लोनीबर्रा आश्रम के देवलोकगामी महंत कनक बिहारी जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। अपराह्नं 4 बजे चौरई ब्लॉक के ग्राम मडाई के लिये हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर, अपराह्नं 4.10 बजे सांसद नकुलनाथ का ग्राम मडाई आगमन होगा, यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात सांसद हेलीकॉप्टर से अपराह्नं 4.50 बजे चौरई ब्लॉक के ग्राम रामगड़ के लिये प्रस्थान कर अपराह्नं 4.55 बजे रामगड़ आगमन होगा। सांसद नकुलनाथ सांय 5.15 बजे शिकारपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

युवा चौपाल से युवाओ को युवानीति से अवगत कराया

छिंदवाड़ा । भाजयूमो ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने बताया की युवामोर्चा के प्रदेश मंत्री कुलदीप राठौर का युवाचौपाल को लेकर आना हुआ जिसमें उनके द्वारा चौरई नगर व परासिया नगर में युवाचौपाल ली गई प्रदेश मंत्री कुलदीप ने शिवराज सिंह चौहान द्वारा लागू की गई म.प्र की नई युवानीति के बारे में युवाओं से चर्चा की व उन्हें 1 जून से मुख्यमंत्री कौशल कमाई योजना में युवाओं को फ्री ट्रेनिंग व ट्रेनिंग के दौरान 8 हज़ार रु माह प्राप्त करने को कहाँ साथ ही युवानीति के अन्य लाभों को भी युवाओ को बताया, ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने छिन्दवाड़ा के सभी कार्यों का प्रदेश मंत्री को ब्यौरा दिया और बताया की किस तरह हरा भरा म.प्र में छिन्दवाड़ा युवामोर्चा ने 1.5 लाख पौधों का रोपण किया,खेलेगा म.प्र में पंचायत व मंडल पर विभिन्न खेल कराकर 30 हज़ार युवाओं को जोड़ा,पंचायत में समिति बनाकर 11 हज़ार युवाओं को भाजपा से जोड़ा व किस तरह युवाचौपाल से लाखों युवाओं को जोड़ने का काम कर रहे है ये एक बड़ी उपलब्धि है व आज तक कोई भी राजनीतिक दल इतने बड़े स्तर पर पंचायत में कार्यक्रम नहि करा पाया है। उक्त कार्यक्रमों में चौरई नगर मंडल अध्यक्ष चिंटू दुबे.परासिया नगर मंडल अध्यक्ष सीदार्थ मुखर्जी,प्रदीप रघुवंशी, आदित्य ठाकुर, पंकज मूँगिया,हरीश दुर्गे, सौरभ बाबरिया, रिंकु घोरके, शैंकी नागि, अजय सूर्यवंशी,सुमित दीक्षित व अन्य उपस्थित रहे।

पद्मश्री लीला सैमसन 30 को भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति देंगी

कला संगम महोत्सव का शुभारंभ 29 अप्रैल को

छिंदवाड़ा। कला संगम शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत महोत्सव समिति छिंदवाड़ा द्वारा 29-30 अप्रेल कला संगम नृत्य महोत्सव 2023 का आयोजन छिंदवाड़ा में किया जा रहा है। समिति के सचिव अमित डोले ने बताया कि कार्यक्रम में पद्मश्री लीला सैमसन भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति देंगी। ज्ञात हो कि कुमारी लीला सैमसन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की अध्यक्षा एवं शास्त्रीय कला संस्थान कलाक्षेत्र की निदेशक तथा संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष भी रहीं हैं। लीला सैमसन के साथ अन्य अंतर्राष्ट्रीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमें गुंडु राव नरेंद्र जी अपनी प्रस्तुति चेन्नई , दुर्गा आर्य कत्थक नृत्य की प्रस्तुति देने जर्मनी से, श्रीमती इंदू एवं श्री निधीश चेन्नई से, श्रीमती बिंदु जुनेजा फालसे (उड़ीसी नृत्य) इंदौर से आ रही हैं । कार्यक्रम के आयोजक श्री अमित डोले भी अपनी भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति देंगे। अमित डोले कलाक्षेत्र चेन्नई के पूर्व छात्र और नेशनल स्कॉलरशिप होल्डर हैं। वर्तमान में चेन्नई से भरतनाट्यम में पीएचडी कर रहे हैं। छिंदवाड़ा में पहली बार हो रहे इस शास्त्रीय नृत्य के अनूठे कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति , सहभागिता एवं सहयोग अवश्य करें।

निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर हुक्का की दुकान में

छिंदवाड़ा । नगर निगम स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर उत्सव बैरागी हुक्का की दुकान पर हुक्का खरीदकर अपनी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर कर रहे हैं और संदेश दे रहे है जो कुछ भी आपको बुरा लगता है उसे छोड़ दें जो आपको अच्छा लगता है उसे रखें। मध्यप्रदेश में हुक्का पार्लर बंद है, अब देखना है कि नगर निगम इन ब्रांड एंबेसडर को हटाती है या और प्रोत्साहित करेगी।

श्रीजी का निकला भव्य चल समारोह

भक्ति भाव से मनाया पार्श्वनाथ जिनालय का वार्षिक महोत्सव

छिन्दवाड़ा । जिले की धर्म नगरी सिंगोड़ी में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनालय ट्रस्ट द्वारा श्री पार्श्वनाथ जिनालय का त्रिदिवसीय 7 वां वार्षिक महोत्सव बाल ब्रह्मचारी श्रेणिकजी जैन जबलपुर, पण्डित सुबोधजी जैन सिवनी, पण्डित ऋषभजी शास्त्री छिन्दवाड़ा, पण्डित अनुभवजी शास्त्री करेली, सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक दीपकराज जैन सहित ब्रह्मचारणी बहनों, विद्धतगणों, श्रेष्ठिजनों सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति में साआनन्द सम्पन्न हुआ।महोत्सव के तृतीय दिवस वैशाख सुदी दूज गुरुदेवश्री के उपकार दिवस के शुभ दिन प्रात:काल की मंगल बेला पर श्रावकगणों ने श्रीजी का प्रक्षालन कर महोत्सव का शुभारंभ किया पश्चात कार्यक्रम स्थल मुख्य पांडाल में अतिथि विद्धान पं. सुबोधकुमारजी सिंघई एवं पं. अनुभवजी शास्त्री करेली के श्रीमुख से माँ जिनवाणी का रसास्वादन किया। दोनों विद्धानों ने महान पुण्योदय से सच्चे देव-शास्त्र-गुरु भगवंतों का समागम मिलता है अत: उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सबको अपना कल्याण करना चाहिए। उन्होंने कहा हम प्रतिदिन श्रीजी के दर्शन हेतु जिनालय जाते हैं आज हमारे महान पुण्योदय से तीन लोक के नाथ एवं माता जिनवाणी हमारे द्वारे पर आ रहे हैं अत: हमें उनका अभिनंदन करना चाहिए। श्रीजी के दर्शन कर न जाने कौन सा भव्य जीव सम्यक दर्शन की प्राप्ति कर ले अत: बहुत ही उत्साह पूर्वक मंगल महोत्सव मानना चाहिए।

भव्य चल समारोह निकला

मंगल प्रवचनों के रसास्वादन के बाद सकल जिनवाणी तत्वरसिक जिनशासन सेवकों ने मंगलगान के साथ जयघोष करते हुए श्रीजी सहित मां जिनवाणी का चल समारोह निकाला जिसमे बड़ी संख्या में पूरे देश से पधारे श्रावकगणों ने सम्मिलित होकर जिनशासन की मंगल प्रभावना कि। चलसमारोह के पश्चात सुबह के समय श्रीमती मालती जैन स्मृति शेष पं. देवेंद्रकुमारजी जैन, प्रगति राजेश जैन परिवार द्वारा एवं संध्या के समय नवयुवक मण्डल द्वारा साधर्मी वात्सल्य स्नेह भोज कराया गया। श्रीमती शैली सारांश जैन परिवार द्वारा जीवन पथ दर्शन साहित्य भेंट कर स्वाध्याय की अपील की।

मोहखेड़ ब्लॉक युवक कांग्रेस ने भरी हुंकार

भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा । महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार, आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार, शासकीय योजनाओं व शासकीय भर्तियों में बढ़ते भ्रष्टाचार, किसान आत्महत्या, सिंचाई हेतु नहर से पानी व पेयजल हेतु पर्याप्त पानी, छिन्दवाड़ा के साथ भाजपा के दोगले व्यवहार के खिलाफ मोहखेड़ ब्लॉक युवक कांग्रेस ने हुंकार भरी। बीसापुर बाजार चौक में कांग्रेस ने अनशन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। अपनी चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत किया साथ ही सभी मांगों को अविलम्ब पूरा किये जाने की मांग की है। छिन्दवाड़ा कृषि प्रधान जिला होने के चलते यहां की अधिकांश आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। अन्य कार्य व व्यवसाय भी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़े हुये हैं साथ ही जिले का मोहखेड़ ब्लॉक सब्जी उत्पादन में अग्रणी श्रेणी में सम्मिलित है, किन्तु सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी नहीं मिलना इस क्षेत्र के किसानों की उन्नित में बाधा बना हुआ है साथ ही ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्यायें भी बढ़ती जा रही है, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सिंचाई कॉम्प्लैक्स योजना को भाजपा की सरकार ने बंद कर दिया जिसका दुष्परिणाम आज मोहखेड़ ब्लॉक सहित जिले के अन्य ब्लॉक के किसान भुगत रहे हैं, भाजपा ने षड्यंत्र कर कांग्रेस की सरकार गिराई और सत्ता में बैठते ही सबसे पहले छिन्दवाड़ा से बदला लिया, सम्पूर्ण विकास की योजनायें बंद कर दी। आज प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु ठोस कदम उठाने की बजाये शासकीय योजनाओं और शासकीय नौकरियों के लिये जारी भर्ती व छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली छात्रवृत्ति के घोटाले और घपलों में व्यस्त है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और गबन का एक नया रिकॉर्ड कायम हो चुका है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ के द्वारा छिन्दवाड़ा जिले को दी गई विकास की योजनाओं को भाजपा की सरकार ने या तो बंद कर दिया या फिर उनका बजट आधा कर परियोजनाओं का स्वरूप बिगाड़ दिया, उन सम्पूर्ण योजनाओं को पुन: प्रारंभ करने की मांग करते हुये मोहखेड़ ब्लॉक युवक कांग्रेस के नेतृत्व में बीसापुर बाजार चौक में धरना प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुये राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। आयोजित धरना प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, प्रभारी नेहा सिंह, रघुवीर मोहने, मुन्ना पवार सहित मोहखेड़ ब्लॉक युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों व मोहखेड़ ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भूखे मरने की कगार में जिले के अतिथि शिक्षक वेतन के पड़े लाले, नहीं मिला चार माह से वेतन

रोजमर्रा की चीजों के लिये आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान है अतिथि शिक्षक

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा जिले में इन दिनो शासकीय स्कूलो में कार्य करने वाले अतिथि शिक्षकों के द्वारा अपनी शैक्षणिक और अध्यापन कार्य की सेवाये देने के बाद भी वेतन नही मिलने से जिले के हजारो अतिथि शिक्षक आर्थिक तंगी और मानसिक रूप से बहुत परेशान है। जिले के अतिथि शिक्षको को वेतन के लाले पड़े है। चाहे शिक्षा विभाग में कार्य करने वाले अतिथि शिक्षक हो या फिर आदिम जाति कल्याण ट्रायवल विभाग में कार्य करने वाले अतिथि शिक्षक हो इन दिनो सभी अतिथि शिक्षक आर्थिक तंगी से बहुत जूझ रहे है। जिसके कारण इनकी मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। इन्हे चार माह से वेतन नही मिलने से रोजमर्रा की विभिन्न प्रकार की समस्या और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और परिवार का भरण पोषण में भी परेशानी हो रही है।

इस संबंध में आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश महासचिव और जिला अध्यक्ष संतोष कहार ने बताया कि जिले में चार माह से अतिथि शिक्षको का वेतन नही हुआ है। जिसकी वजह से जिले के अतिथि शिक्षक आर्थिक तंगी से जूझ रहे है।और इनकी मानसिक स्थिति भी दिन प्रति दिन बिगड़ती जा रही है। यदि खुदा न खास्ता किसी के साथ कोई घटना घटित होती है तो बेचारा अतिथि शिक्षक बगैर पैसे के कहा जाए। यदि अतिथि शिक्षको को समय पर वेतन नही दिया जाता और अतिथि शिक्षक के साथ कोई घटना होती है तो इसके लिये प्रदेश व जिले का शासन-प्रशासन जबाबदार होगा। बहुत ही अल्प मानदेय में शासकीय विद्यालयो में अध्यापन कार्य करते हुए बच्चो का भविष्य बनाने वाले इन अतिथि शिक्षकों की और शासन-प्रशासन कोई ध्यान नही दे रहा है। श्री कहार ने बताया कि मैंने मार्च-अप्रैल माह में लगभग 3-4 बार जिला शिक्षाधिकारी महोदय और सहायक आयुक्त महोदय से अतिथि शिक्षको के वेतन के संबंध पर मोबाईल फोन पर चर्चा किया।और जल्द से जल्द अतिथियो का वेतन करवाने की बात कही तो जिले के अधिकारियो ने कहा कि चलो देखते हैं, आप लोगो का वेतन करवाते है। किंतु इसके बाद भी आश्वाशन ही मिला और आज दिनाँक तक इनके द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई जिससे कि जिले के हजारो अतिथि शिक्षको को समय पर वेतन मिल सके।

श्री कहार ने यह भी बताया कि जब अतिथि शिक्षक प्राचार्य,संकुल प्राचार्य से वेतन की बात करते हैं तो वे विकासखंड शिक्षाधिकारी से बात करते हैं विकासखंड शिक्षाधिकारी द्वारा उन्हें एलाटमेंट नही होने का हवाला दिया जाता है। किंतु इतना समय बीत जाने के बाद भी आज दिनाँक तक अतिथि शिक्षको का वेतन नही हो पा रहा है। जिससे अतिथि शिक्षक परिवारों का गुजर - बसर करना मुश्किल हो गया है।

रवींद्र भवन में सजी पीएम मोदी के जीवन पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी, राज्यपाल ने किया शुभारंभ

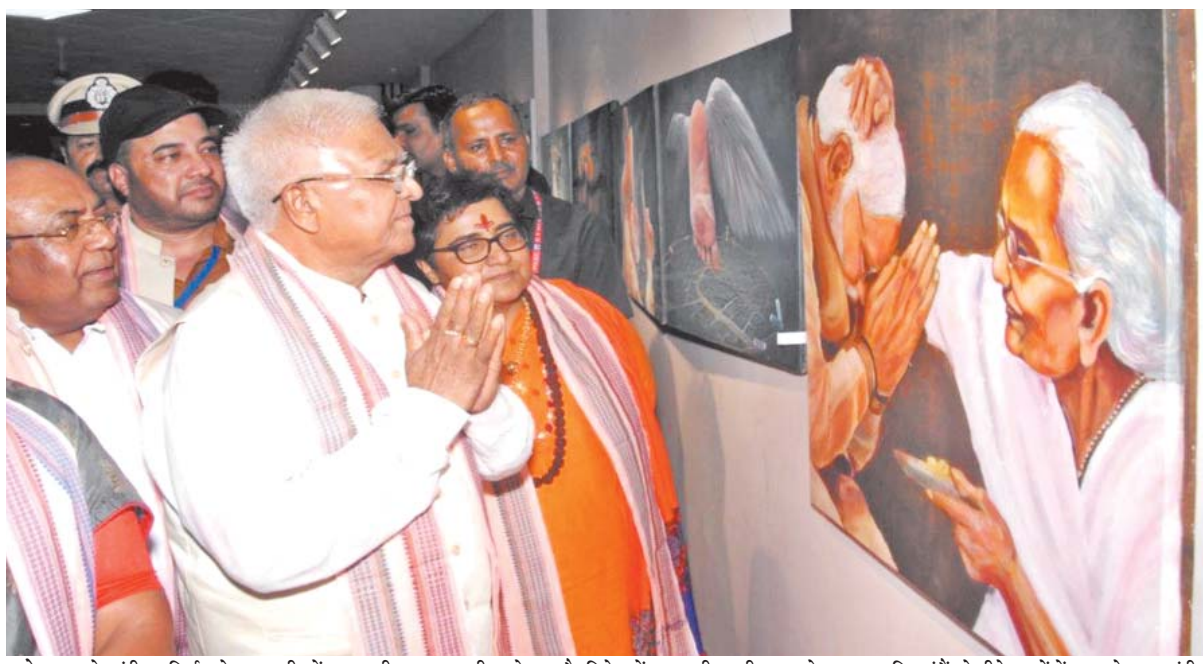

भोपाल। नोटबंदी का निर्णय हो या कश्मीर में अमन की पहल, हर गरीब को घर और विदेश में भारत की बढ़ती धाक। ये कुछ उपलब्धियां हैं जो बीते सालों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जुटाई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और कार्यशैली को आज देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सम्मान प्राप्त है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीते 20 सालों की उपलब्धियों और उनके व्यक्तित्व के साथ ही उनके कृतित्व को काफी बारीकी से देश के उत्कृष्ट चित्रकारों ने कैनवास पर उकेरा है। इन्हीं कलाकारों के चित्रों पर आधारित मोदी जी 20 के नाम से राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन राजधानी के रवीन्द्र भवन के गौरांजलि सभागार में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने वीआईपी रोड पर दुर्घटनाग्रस्त युवक को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क में पौधरोपण के बाद लालघाटी कार्यक्रम में जाते हुए वीआईपी रोड पर एक युवक को दुर्घटनाग्रस्त होते हुए देखा और उसे तुरंत अस्पताल भिजवाने के लिए सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने काफिला रुकवाया और युवक साजिब जो खानूगांव के निवासी हैं, उन्हें इलाज के लिए एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की फिर अपने कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। वहां मौजूद अन्य मुस्लिम भाइयों को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईद की बधाई दी।

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी, अब एक बार ही भरनी पड़ेगी फार्म की फीस

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर सामने आई है। सरकारी भर्ती परीक्षा के लिए युवाओं को बार-बार फीस भरने की टेंशन खत्म हो गई है। मध्यप्रदेश शासन की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है जिसमें युवाओं की परेशानी को देखते हुए बार-बार फीस भरने की टेंशन से मुक्त कर दिया है। कई बार होता है कि युवाओं की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से वहां फीस नहीं भर पाते हैं और यही वजह रहती है कि कई युवा इंटरव्यू और अन्य परीक्षा से वंचित रह जाते हैं।

मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार युवा वर्ग से लेकर कई लोगों के लिए राहत देने का काम कर रही है। एक तरफ प्रदेश की लाडली बहनों के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना चलाई जा रही है तो दूसरी तरफ अब सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं को भी बड़ी राहत मिली है। सरकारी भर्ती परीक्षा देने वाले युवाओं को अब बार-बार फीस नहीं भरना पड़ेगी, बल्कि विभिन्न विभागों की विभिन्न पदों के लिए निकलने वाली भर्ती में एक ही बार फीस भरना पड़ेगी।

भाजपा राज में दाल में थोड़ा-बहुत काला नहीं पूरी दाल ही काली है: कमलनाथ

सिवनी-मालवा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि भाजपा के राज में दाल में थोड़ा-बहुत काला नहीं पूरी दाल ही काली है। कल ही मुख्यमंत्री ने इस बात को स्वीकारा कि सीएम हेल्पलाइन में भ्रष्टाचार हो रहा है ब्लैकमेल हो रहा है, यदि सीएम हेल्पलाइन जैसी योजना का यह हाल है तो पूरे प्रदेश का क्या हाल होगा आज प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

सिवनी मालवा पहुंचे कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि आज प्रदेश के लगभग सभी वर्गों के शासकीय कर्मचारी हड़ताल पर हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हड़ताल पर, डॉक्टर हड़ताल पर, स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर, संविदा कर्मचारी हड़ताल पर, अतिथि शिक्षक हड़ताल पर, कुछ दिन पहले तक सम्मानित वकील गण भी हड़ताल पर थे। सुबह अखबार खोलिए कोई ना कोई अत्याचार बलात्कार अथवा मर्डर की खबरें

प्रतिदिन सामने आ रही हैं। यह आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की तस्वीर है।

उन्होंने कहा कि नर्मदा पुरम में चारों विधायक भाजपा के सांसद भाजपा के नगरीय निकाय में भाजपा का कब्जा फिर भी आज विकास के मामले में नर्मदापुरम पिछड़ता जा रहा है। इस बार टिकट वितरण में किसी की रिकमेंडेशन और दबाव बिल्कुल नहीं चलेगा या एआईसीसी स्थानीय स्तर पर सर्वे करा रही है, स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा करके ही टिकट वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के संगठन से है पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने संगठन को मजबूती देने की दिशा में कार्य किया है, संगठन में एकजुटता की कमी के कारण नर्मदापुरम में हमें अब तक नुकसान हुआ परंतु इस बार ऐसा नहीं होगा। कमलनाथ ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी से कई लोग कांग्रेसमें आने के इच्छुक हैं जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष सदस्य मुझ से लगातार मिलकर अपनी चिंता व्यक्त करते हैं। सभी समाजों की रक्षा करना और उन्हें जोड़ कर रखना ही हमारी प्राथमिकता होगी आज पैसा कानून के तहत पूरी निष्ठा से कार्य नहीं हो रहा पेसा कानून का जमीनी स्तर पर ठीक तरीके से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा।

बालाघाट में पुलिस ने 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया

बालाघाट। मध्यप्रदेश के नक्सल प्रभावित बालाघाट क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 3 बजे पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई। इसमें पुलिस ने दलम की एरिया कमांडर और गार्ड रहीं दो बड़ी महिला नक्सलियों को मार गिराया। दोनों पर 14-14 लाख रुपए का इनाम घोषित था। बीते साल भी पुलिस ने 6 नक्सलियों को मार गिराया था।

पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ से मिली जानकारी के अनुसार तड़के 3 बजे गढ़ी थाना इलाके में कदला के जंगल में हॉकफोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें जवानों ने 2 महिला नक्सलियों सुनीता और सरिता को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। सुनीता भोरम देव में एरिया कमांडर रही थी। वह वर्तमान में विस्तार दलम में काम कर रही थी। वहीं सरिता नक्सली कबीर की गार्ड रह चुकी थी। साथ ही वह खटिया मोचा दलम में भी रही थी। वहीं वर्तमान में वह विस्तार दलम में सक्रिय थी। दोनों के शव भी बरामद हो गए।

मुख्यमंत्री ने पुलिस को दी बधाई

बालाघाट के गढ़ी क्षेत्र में हॉक फोर्स एवं बालाघाट पुलिस की नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में दो दुर्दांत महिला नक्सलियों को मारने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाक फोर्स एवं प्रदेश पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इसी तरह प्रयास करते रहेंगे।

मध्य प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी बलबीर सिंह की वापसी

नई दिल्ली। डीओपीटी द्वारा जारी आदेश के अनुसार 1996 बैच के अधिकारी सिंह की डेपुटेशन अवधि में छूट देते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से वापस अपने गृह राज्य, होम कैडर मध्य प्रदेश भेजा जा रहा है। वे आईबी में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात थे।

कैलाश विजयवर्गीय ने जन्मदिन पर युवाओं से यह गिफ्ट मांगा!

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का आज जन्मदिन है। उन्होंने इस मौके पर देश के युवाओं से अपने जन्मदिन पर एक गिफ्ट मांगा है। एक वीडियो जारी करते हुए उन्होंने अपने एक्सरसाइज के विभिन्न आयामों को दर्शाया और उसके बाद एक संदेश दिया। इस संदेश का मूल भाव था कि सभी नागरिक अपने लिए एक घंटा निकाले, एक्सरसाइज करें और स्वस्थ रहें। क्योंकि, जब देश के नागरिक स्वस्थ रहेंगे सभी देश भी स्वस्थ रहेगा।

कैलाश विजयवर्गीय ने अपने संदेश में कहा 'नमस्कार आज मेरा जन्मदिन है और आज मैं अपने जन्मदिन पर अपने दोस्तों, मित्रों और अपने परिवार से कुछ गिफ्ट मांगता हूं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन रहता है और स्वस्थ मन में ही स्वस्थ विचार आते हैं। जब व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो काम भी अच्छा करेगा। क्योंकि, स्वस्थ लोगों में ही पॉजिटिव एनर्जी आती है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री अपने लिए एक घंटा निकालते हैं, देश के गृहमंत्री स्वस्थ रहने के लिए रोज एक घंटा निकालते हैं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा जी एक घंटा निकालते हैं। मैं भी 45 साल से रोज एक घंटा एक्सरसाइज करता हूँ। आज मैं 65 प्लस हूँ। आप भी अपने लिए घंटे निकालिए। लोग कहते हैं कि हम बिजी हैं। आप बिजी हो तो क्या अपने लिए एक घंटा नहीं निकाल सकते?

देश के प्रधानमंत्री का कहना है कि 2045 तक भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाना है। पर, ये तब तक नहीं होगा, जब तक देश के नागरिक स्वस्थ नहीं होंगे। आज मैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि आप मुझे जन्मदिन पर यह गिफ्ट जरूर देंगे।

मुख्यमंत्री ने श्री मधुकर राव हर्णे को श्रद्धांजलि दी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मंत्री मधुकर राव हर्णे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मधुकर राव हर्णे ने मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रहते हुए और अन्य दायित्वों का निर्वहन करते हुए आम जनता की भलाई के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा मधुकर राव जी व्यंग्य विनोद भी करते थे। उनके परिचय का दायरा काफी व्यापक था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व मधुकरराव द्वारा देशभक्ति गीतों के गायन और हंसी ठहाकों के साथ बातचीत के अंदाज को भी याद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व मधुकरराव का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्व मधुकर राव की आत्मा की शांति और उनके परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।